आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 26 | अंक : 254 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 05 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

'जात' देखकर ली गई जान : अखिलेश

सुल्तानपुर एनकाउंटर पर अखिलेश ने उठाया सवाल

लखनऊ (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर एनकाउंटर को लेकर यूपी सरकार पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने बिना नाम लिए आरोप लगाया कि लूट कांड के अन्य आरोपियों के तो पैर में गोली मारी गई, लेकिन आज सुबह जिस मंगेश यादव की पुलिस से मुठभेड़ हुई उसकी जान ले ली गई। अखिलेश ने आरोप लगाया कि जात देखकर जान ली गई है।

सपा मुखिया ने अपने लंबे-चौड़े 'एक्स' पोस्ट में लिखा- लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नकली एनकाउंटर से पहले 'मुख्य आरोपी' से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया गया और अन्य सपक्षीय लोगों के पैरों पर सिर्फ दिखावटी गोली मारी गई और 'जात' देखकर जान ली गई। अखिलेश ने आरोप लगाया कि 'जाति' देखकर जान ली गई है।

बकौल अखिलेश यादव- जब मुख्य आरोपी ने सरेंडर कर दिया है तो लूट का सारा माल भी पूरा वापस होना चाहिए और सरकार को मुआवज़ा अलग से देना चाहिए. क्योंकि, ऐसी घटनाओं का जो मानसिक आघात होता है उससे उबरने में बहुत समय लगता है, जिससे व्यापार की हानि होती है, जिसकी क्षतिपूर्ति सरकार करे।

अखिलेश ने आगे कहा कि नकली एनकाउंटर रक्षक को भक्षक बना देते हैं। समाधान नकली एनकाउंटर नहीं, असली क़ानून-व्यवस्था है. बीजेपी राज अपराधियों का अमृतकाल है। जबतक जनता का दबाव व आक्रोश चरम सीमा पर नहीं पहुंच जाता है, तब तक लूट में हिस्सेदारी का काम चलता रहता है और जब लगता है जनता घेर लेगी तो नकली एनकाउंटर का ऊपरी मरहम लगाने का दिखावा होता है। जनता सब समझती है कि कैसे कुछ लोगों को बचाया जाता है और कैसे लोगों को फंसाया जाता है। ये घोर निंदनीय है।

आज सुबह हुआ 1 लाख का ईनामी बदमाश ढ़ेर

आपको बता दें कि सुल्तानपुर में गुरुवार की सुबह 1 लाख का फरार इनामी बदमाश एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में ढेर हो गया। यह एनकाउंटर देहात कोतवाली के हनुमानगंज बाईपास पर हुआ। मारा गया बदमाश मंगेश यादव सर्राफा व्यवसायी की दुकान पर हुई डकैती के मुख्य आरोपियों में शामिल था। मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी मौके से भाग निकला।

ग्रेटर नोएडा पहुंची न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम

होटल में कीवी टीम का स्वागत, बरसाये गये फूल

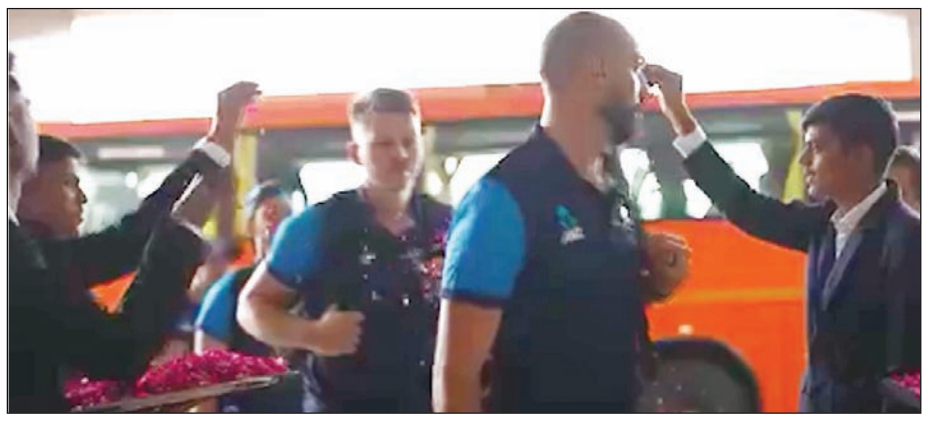

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम आज सुबह नई दिल्ली पहुंची। न्यूजीलैंड टीम को ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ 9 सितंबर से एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है, जिसके लिए आज यानी 5 सितंबर को कीवी टीम भारत पहुंची। यहां से कीवी टीम सीधे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हो गई। इसके अलावा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी एक वीडियो शेयर की है, जिसमें कीवी टीम फ्लाइट और फिर टीम बस में बैठकर ग्रेटर नोएडा के होटल पहुंच रहे हैं। उनका होटल में भव्य स्वागत किया गया। टिम साउदी की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम (शेष पृष्ठ-3 पर)

गौतमबुद्धनगर में सदस्य बनाने का रिकार्ड बनाएं भाजपाई : कुं. बृजेश सिंह

भाजपा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री तथा गौतमबुद्धनगर के प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा है कि इस बार गौतमबुद्धनगर के भाजपा कार्यकर्ता सदस्यता अभियान का भी रिकॉर्ड बनाएं। जिस तरीके से उन्होंने लोकसभा में जीत का रिकॉर्ड बनाया है। उसी तरह मुझे विश्वास है कि यहां के कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में भी उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड कायम करेंगे। वह सेक्टर-27 स्थिस कैलाश सभागार में भाजपा के सदस्यता अभियान के शुभारंभ पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

पत्रकार वार्ता में प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से देश भर में सदस्य बनाने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। अभियान की शुरुआत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे पहली सदस्यता ग्रहण कराई। जिस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका शुभारंभ किया, उस दिन से लेकर अगले दिन शाम तक केवल उत्तर प्रदेश में 10,00,000 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली।

उन्होंने बताया कि इस सदस्यता अभियान में भाजपा का लक्ष्य 10 करोड़ से अधिक लोगों को सदस्य बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सभी धर्मों व जातियों के बीच जाकर लोगों को प्रेरित करें कि वो भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें। बृजेश सिंह ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर कम से कम 200 लोगों को सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में करीब 2700 बूथ है। आज से गौतमबुद्धनगर में भी सदस्यता अभियान की शुरुआत कर दी गई है। इस दौरान उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान के दौरान प्रत्येक रविवार को अटल सदस्यता पर्व के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें क्षेत्र के डॉक्टर, शिक्षक, प्रोफेशनल आदि से संपर्क कर उन्हें भी सदस्यता दिलाई जाएगी।

पत्रकार वार्ता में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है अधिक से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाया जाए, क्योंकि भाजपा अब विश्व में सबसे अधिक सदस्य वाली पार्टी बन चुकी है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सोशल मीडिया के कारण नैतिकता पीछे छूट गई है : लक्ष्मी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। स्नातकोत्तर छात्रों को संस्थान के शिक्षण कार्यक्रम और नियमों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय में स्नातक एंव इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के 7000 नवप्रवेशित छात्रों के लिए ''दीक्षारंभ'' प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंर्तगत आज गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह और एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डा अतुल चौहान ने छात्रों को संबोधित किया।

गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने छात्रों कों अनुशासन के महत्व पर कहा कि मुझे शिक्षण (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवक की गला रेतकर हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई है। युवक का शव आज सुबह थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित 130 मीटर रोड सर्विस रोड के पास मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच कर रही है।

नोएडा कमिश्नरेट पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेंटल नोएडा जोन के थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित 130 मीटर सर्विस रोड के पास एक शव पड़े होने की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

ओवरलोड वाहनों पर सख्ती 23 वाहनों का चालान काटा

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देश पर प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए 23 ओवरलोड वाहनों का चालान किया गया है। देर रात चले इस अभियान के तहत सख्त कार्यवाही की जा रही है।

प्रवर्तन अधिकारियों ने विशेष चेकिंग अभियान के (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण के 900 कर्मचारियों का रूक सकता है वेतन!

कर्मचारियों को 30 सितंबर तक देना होगा संपत्ति का ब्यौरा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के लगभग 900 कर्मचारियों का वेतन रूक सकता है। अगर कर्मचारियों ने राज्य के मानव संपदा पोर्टल पर अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण 30 सितंबर तक अपलोड नहीं किया। इन सभी ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। ऐसे में सितंबर का वेतन रोक दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हाल के सरकारी आदेश के अनुसार, जो कर्मचारी संपत्ति का विवरण जमा नहीं करेंगे, वे प्रामेशन के लिए आयोग्य घोषित होंगे। पहले ये समय सीमा 31 अगस्त निर्धारित की गई थी। इससे पहले अगस्त में नियम का (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण कर्मचारियों ने मांगा था समय

नोएडा प्राधिकरण कर्मचारी संघ (एनईए) के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने सभी स्टाफ सदस्यों से वेतन वितरण में और देरी से बचने के लिए मानव संपदा पोर्टल पर अपनी संपत्ति का विवरण तुरंत अपलोड करने का आग्रह किया। अगस्त का वेतन रोके जाने के बाद एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम से अतिरिक्त समय का अनुरोध किया था और मुख्य सचिव सिंह को भी लिखा था। शासन की ओर से यह निर्देश अगस्त 2023 में शुरू की गई एक व्यापक राज्य सरकार की पहल का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना और पारदर्शिता बढ़ाना है। पहल में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के अनुसार 31 दिसंबर 2023 तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर जमा करना होगा।

ब्यौरा नहीं देने पर रुक जाएगा प्रमोशन

आदेश में इस बात पर जोर दिया गया कि इन विवरणों को प्रस्तुत नहीं करना नकारात्मक रूप से देखा जाएगा। नतीजतन जिन कर्मचारियों ने 1 जनवरी, 2024 तक अनुपालन नहीं किया है, उन्हें विभागीय चयन समिति की बैठकों में पदोन्नति के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि वे अपनी संपत्ति का विवरण जमा नहीं कर देते।

इस मामले में लगातार 6 जून और 11 जुलाई को रिमाइंडर जारी किया गया। साथी ही अंतिम रिमाइंडर 17 अगस्त 2024 को दिया गया। इसके बाद भी पोर्टल पर पंजीकृत 26 प्रतिशत कर्मियों ने अभी तक अपनी संपत्ति का विवरण जमा नहीं किया है। इसके अलावा, कुछ कर्मचारियों ने गलती से वर्ष 2023 के बजाय वर्ष 2024 का संपत्ति विवरण दर्ज कर दिया।

मंगलवार को मुख्य सचिव के आदेश में कहा गया है कि, यह पहली बार है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति जमा करने की प्रक्रिया लागू की जा रही है। 30 सितंबर, 2024 तक अंतिम विस्तार दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि सभी कर्मियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया जाता है कि साल 2023 के लिए उनकी संपत्ति का विवरण इस नई समय सीमा तक प्रस्तुत किया जाए।

ठक-ठक गिरोह से मुठभेड़ गोली से घायल हुआ बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस और बाइक सवार बदमाशों के बीच सैक्टर-34 कट के पास हुए मुठभेड़ में एक बदमाश गोली से घायल हो गया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि फरार दूसरे बदमाश को कॉम्बिंग आपरेशन के बाद गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, चोरी के 4 लैपटॉप, गाड़ियों के शीशे तोड़ने वाली एक गुलेल और वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली बाइक बरामद हुई है।

सैक्टर-34 में चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान बागपत निवासी सुमित बेनीवाल के रुप में हुई है। एडिशनल डीसीपी (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण ने लांच की डेटा सेंटर प्लॉट की स्कीम

23 सितंबर तक होंगे आवेदन, सेक्टर-154 में होगा प्लाट का आवंटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने शहर में डेटा सेंटर की संख्या को बढ़ाने के लिए स्कीम लांच की है। योजना के तहत सेक्टर-154 में प्लॉट का अलॉटमेंट किया जाएगा।

स्कीम में ईएमडी जमा करने के लिए 23 सितंबर अंतिम तिथि है। 25 सितंबर तक अप्लाई करने वाली कंपनी को अपने डॉक्यूमेंट भी अपलोड करने होंगे। इसके बाद प्राधिकरण जांच करने के बाद प्लाट का आवंटन करेगा। इससे पहले नोएडा और ग्रेटरनोएडा में अडाणी और हीरा नंदानी को डेटा सेंटर बनाने की लिए प्लाट आवंटित हो चुके है।

स्कीम में शामिल किए जाने वाले प्लाट का अलॉटमेंट ई-ऑक्शन के जरिए होगा। ऑनलाइन होने वाली नीलामी प्रक्रिया में जो भी कंपनी सबसे अधिक दर पर प्लाट खरीदने के लिए बोली लगाएगी, उसे प्लाट का आवंटन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए nda.etender.sbi पर आइडी और पासवर्ड बनाना होगा।

ऑनलाइन की जमा करनी होगी फीस

प्लॉट के अलॉटमेंट के लिए प्रोसेसिंग फीस सहित अन्य प्रकार के शुल्क भी ऑनलाइन ही जमा करने होंगे। इसके लिए वेबसाइट पर जाकर दिए गए निर्देशों का पालन करना होगा। एक से अधिक भूखंड के लिए अप्लाई करने के लिए सभी भूखंड के लिए अलग-अलग फीस और प्रोसेसिंग करनी होगी।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा जिन भूखंडों को इस स्कीम में शामिल किया गया है, उनमें से किसी भी भूखंड या सभी भूखंडों को अभी भी ई-ऑक्शन की प्रक्रिया से बाहर किया जा सकता है। इसके लिए भले ही रिजर्व प्राइस से अधिक की बिड लगाई गई हो। ई-ऑक्शन से पहले या ऑक्शन के दौरान या ई-ऑक्शन के बाद किसी भी समय किसी भी भूखंड को प्रक्रिया से बाहर करने का अधिकार प्राधिकरण के पास सुरक्षित है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ● Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ● CCTV Controlled Environment ● Activity Based Learning ● Well Equipped Library ● GPS Enable Buses

बुल्डोजरी न्याय

शीर्ष अदालत ने एक उस विवादास्पद मुद्दे पर स्पष्ट राय देश के सामने रखी है जिसकी तार्किकता को लेकर पिछले कई वर्षों से बार-बार सवाल उठ रहे थे। यानी कुछ राज्य सरकारों के बुलडोजरी न्याय को लेकर। खासकर भाजपा शासित राज्यों में गंभीर अपराधों व अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा चलता देखा गया। जाहिरा तौर पर इस तरह की कार्रवाई न्याय की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। सवाल यह भी है कि जब तक किसी व्यक्ति पर सिर्फ आरोप ही लगे हैं, तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है? इस विवादास्पद कार्यशैली को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवायी के दौरान देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। अदालत का मानना था कि भले ही कोई व्यक्ति किसी संगीन मामले में दोषी हो तो भी बिना न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इसके मायने अवैध निर्माण को संरक्षण देना कदापि नहीं है। दरअसल, इस मामले में केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से दलील दी जाती रही है कि जिन मामलों में यह कार्रवाई की गई वे गैरकानूनी कब्जे कर किए गए अनधिकृत निर्माण थे। निस्संदेह, ये दलीलें मामले में जरूरी प्रक्रिया को न अपनाये जाने के चलते न्याय के अनुरूप नहीं ठहराई जा सकती हैं। दरअसल, हाल के वर्षों में कई बार देखने में आया कि कुख्यात अपराधियों,हत्यारों व बलात्कारियों के घर जमींदोज कर दिए गए। सतही तौर पर कहा जाता रहा है कि ऐसे अपराधियों में शासन-प्रशासन का भय होना चाहिए। लेकिन इस कार्रवाई को व्यापक अर्थों में देखें तो यह न तो कानून की कसौटी पर खरा उतरती है और ना ही इसे मानवीय दृष्टि से सही कहा जा सकता है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों द्वारा ऐसी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। निश्चय ही किसी सभ्य समाज में ऐसे सवालों का उठना लाजिमी है। सर्वोच्च न्यायालय के उस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया था कि किसी मामले में आरोप लगने के बाद ऐसी कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। लेकिन ऐसी कार्रवाई तब भी नहीं की जानी चाहिए जब उसका अपराध साबित हो गया हो। निस्संदेह, घर एक पारिवारिक इकाई का नाम है। एक घर को बनाने में एक व्यक्ति की पूरी उम्र लग जाती है। फिर परिवार के तमाम सदस्यों का भी तो वह घर होता है। उनको अपराधी या आरोपी व्यक्ति के कृत्यों के चलते बेघर तो नहीं ही किया जा सकता। यह न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि अमानवीय कदम भी है। जिनका किसी अपराध से लेना-देना न हो, उन्हें दंडित करना अन्याय ही तो है। फिर यदि किसी व्यक्ति के घर पर आरोपों के चलते बुल्डोजर चला दिया गया हो और वही व्यक्ति कालांतर आरोपमुक्त हो जाए, तो ध्वस्त घर बनाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? शासन-प्रशासन के अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के बजाय विवेक व न्यायसंगत तरीके से कोई निर्णय लेना चाहिए। निस्संदेह, अतिक्रमण का संकट देशव्यापी है, जिसे धर्म-जाति से परे कानून की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। बल्कि तमाम तरह के अतिक्रमणों को बढ़ावा देने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका होती है। कालांतर वोट बैंक बनाने के लिये वे इन अवैध निर्माणों को वैध बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। बहरहाल, देश में अतिक्रमण हटाने और बुलडोजर के इस्तेमाल को लेकर देशव्यापी दिशा-निर्देश तय होने चाहिए। जिससे राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये इस कार्रवाई को तार्किक ठहराने की कोशिश न कर सकें। साथ ही अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया सबके लिये एक समान होनी चाहिए। वैसे तो अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया निरंतर सालभर चलने वाली प्रक्रिया है, इसका चुनाव या लक्षित समय में उपयोग करना गलत होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं ताकि पूरे देश में बुलडोजर के इस्तेमाल के बाबत तार्किक व एकरूपता वाले दिशा-निर्देश राज्य सरकारों को दिए जा सकें। सवाल अधिकारियों का अपनी विश्वसनीयता कायम करने का भी है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जिन्होंने इस (राम सुयश रूपी) जल से अपने हृदय को नहीं धोया, वे कायर कलिकाल के द्वारा ठगे गए। जैसे प्यासा हिरन सूर्य की किरणों के रेत पर पड़ने से उत्पन्न हुए जल के भ्रम को वास्तविक जल समझकर पीने को दौड़ता है और जल न पाकर दु:खी होता है, वैसे ही वे (कलियुग से ठगे हुए) जीव भी (विषयों के पीछे भटककर) दु:खी होंगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मति अनुहारि सुबारि गुन गन गनि मन अन्हवाइ।
सुमिरि भवानी संकरहि कह कबि कथा सुहाइ॥

अपनी बुद्धि के अनुसार इस सुंदर जल के गुणों को विचार कर, उसमें अपने मन को स्नान कराकर और श्री भवानी-शंकर को स्मरण करके कवि (तुलसीदास) सुंदर कथा कहता है॥

अब रघुपति पद पंकरुह हियँ धरि पाइ प्रसाद।
कहउँ जुगल मुनिबर्य कर मिलन सुभग संबाद॥

मैं अब श्री रघुनाथजी के चरण कमलों को हृदय में धारण कर और उनका प्रसाद पाकर दोनों श्रेष्ठ मुनियों के मिलन का सुंदर संवाद वर्णन करता हूँ॥

भरद्वाज मुनि बसहिं प्रयागा। तिन्हहि राम पद अति अनुरागा॥
तापस सम दम दया निधाना। परमारथ पथ परम सुजाना॥

भरद्वाज मुनि प्रयाग में बसते हैं, उनका श्री रामजी के चरणों में अत्यंत प्रेम है। वे तपस्वी, निगृहीत चित्त, जितेन्द्रिय, दया के निधान और परमार्थ के मार्ग में बड़े ही चतुर हैं॥

माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई॥
देव दनुज किंनर नर श्रेनीं। सादर मज्जहिं सकल त्रिबेनीं॥

माघ में जब सूर्य मकर राशि पर जाते हैं, तब सब लोग तीर्थराज प्रयाग को आते हैं। देवता, दैत्य, किन्नर और मनुष्यों के समूह सब आदरपूर्वक त्रिवेणी में स्नान करते हैं॥ (क्रमश:..)

घातक व असामाजिक हालात बनाता सोशल मीडिया

पंजाब के एक विधि महाविद्यालय में नए प्रवेशकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम में, यह जानना चौंकाने वाला था कि औसत छात्र दिन में सात घंटे से अधिक समय तक सोशल मीडिया (एसएम) पर व्यस्त रहते हैं, जिससे उनके पास खेल, पुस्तकालय और अन्य सामुदायिक व्यस्तताओं और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए कोई समय नहीं बचता है। यह अनुमान लगाया गया है कि 65 प्रतिशत किशोर सोशल नेटवर्किंग सेवा (एसएनएस) से जुड़े हुए हैं और उनमें से 72 प्रतिशत की इंटरनेट तक सीधी पहुंच है। भारत में सोशल मीडिया खातों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, 77 प्रतिशत कर्मचारी काम पर सोशल नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करना स्वीकार करते हैं।

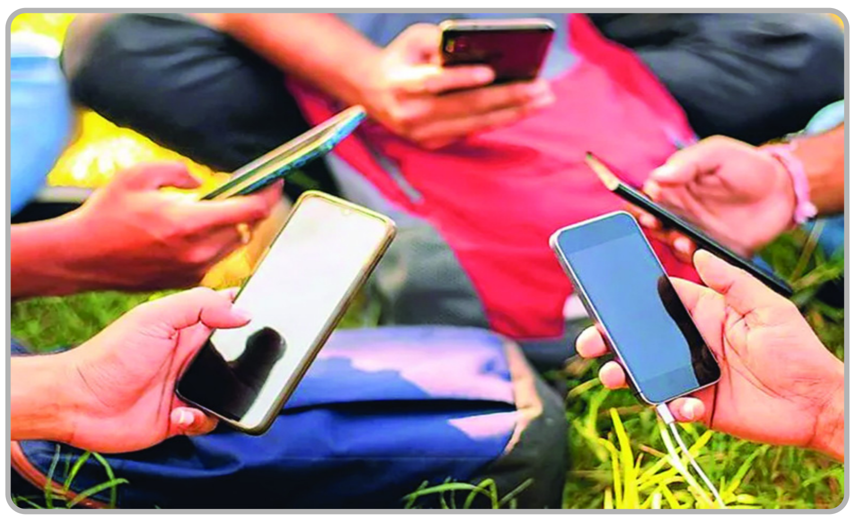

नि:संदेह, एसएम उन लोगों को अद्वितीय मंच प्रदान करता है जो अपने सामाजिक नेटवर्क को बढ़ाने, व्यवसाय को बढ़ावा देने और अकेलेपन को दूर करने की इच्छा रखते हैं। यह उन लोगों के लिए अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है जिन्हें कम्पनी की आवश्यकता होती है। एसएनएस सभी को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को, एक अच्छा समय व्यतीत करने और मनोरंजन का स्रोत प्रदान करता है। वहीं यह भी वास्तविकता है कि एसएम पर अत्यधिक सक्रियता इसके उपयोगकर्ताओं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डालता है।

बफेलो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, एसएनएस के अत्यधिक उपायों से उन कॉलेज के छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जो बड़े पैमाने पर नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करते हैं, उनमें सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का प्रभाव उच्च स्तर पर होता है, जो मधुमेह और हृदय सम्बन्धी बीमारियों से जुड़ी समस्या का संकेत है। सोशल मीडिया की आदी नई पीढ़ी को 'नीली रोशनी के प्रभाव' से पीड़ित होने का जोखिम अधिक होता है, जो सक्रिय इलेक्ट्रोनिक उपकरणों से उत्सर्जित होती है, यह मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है जो निद्रा और जाग्रत-चक्र या 'सर्केडियन' लय को नियन्त्रित करता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद और प्रतिरोधक-क्षमता प्रभावित होती है।

न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन मेडिकल सेंटर में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ स्टडी (2018) की रिपोर्ट है कि स्क्रीन-टाइम गतिविधियों पर दिन में दो घंटे से अधिक समय बिताने वाले बच्चों ने भाषा और विचार परीक्षणों में कम अंक प्राप्त किए। सात घंटे से अधिक समय तक प्रतिदिन मीडिया स्क्रीन के सम्पर्क में रहने वाले कुछ बच्चों के मस्तिष्क के अवयव के पतले होने का अनुभव किया गया, मस्तिष्क का यह क्षेत्र आलोचनात्मक सोच और तर्क से सम्बन्धित है। 2015 में, मनोवैज्ञानिक मैरियन अंडरवुड और समाजशास्त्री रॉबर्ट फारिस ने तेरह साल के 200 से अधिक छात्रों के लगभग 1.5 लाख सोशल-मीडिया पोस्ट का विश्लेषण किया और पाया कि उन्होंने अपने लिए काफी अलग ऑनलाइन व्यक्तित्व बनाए थे, उन्होंने किसी झिझक और परिणामों या नतीजों के डर के बिना जो कुछ भी करना चाहा उसे करने या कहने की आज़ादी महसूस की। मीडिया सिद्धांतकार डगलस इस घटना को 'डिजिफ्रेनिया' कहते हैं, जो 'एक ही समय में अपने एक से अधिक अवतारों में मौजूद रहने की कोशिश करने का अनुभव है।'

अध्ययनों ने स्थापित किया है कि सोशल मीडिया साइटों से प्राप्त लगातार उत्तेजना मनुष्यों में ध्यान-अवधि को कम करती है, और इसके दूरगामी परिणामों से रूबरू कराती है। ऐसे व्यक्तियों को स्वयं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है, वे विवरण पर कम ध्यान देने के परिणामस्वरूप गलतियां कर सकते हैं, और सामाजिक स्थितियों, कार्यस्थल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी परिस्थितियों में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं। तुलना मानव स्वभाव में निहित है। सोशल मीडिया पर प्रकाशित नकली वीडियो, प्रायोजित जानकारी, अव्यावहारिक समाधान और 'शरारतपूर्ण उपाय' इतने मंत्रमुग्ध कर देने वाले होते हैं कि अनजान और निर्दोष उपयोगकर्ता अपने 'वास्तविक जीवन' की तुलना अन्य लोगों के छद्म जीवन से करना शुरू कर देते हैं, जो अन्तत: उन्हें निराश, उदास और आत्म-संदेह से ग्रस्त करता है।

यह दुखद है कि डिजिटल प्लेटफार्म पर अधिकतम 'लाइक्स' प्राप्त करने की दौड़ और सर्वश्रेष्ठ वीडियो और कहानियां बनाने की खोज ने कई भोले-भाले व्यक्तियों को अपने और दूसरों के निजी जीवन के प्रत्येक क्षण को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर दिया है, जिससे हर कोई उनकी गोपनीयता में घुसपैठ कर रहा है। इससे विभिन्न प्रकार के व्यवहार सम्बन्धी टकराव, सम्बन्धों में कलह और सामाजिक द्वंद्व उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे अबोध ग्राहक यह अन्तर नहीं कर पाते हैं कि दूसरों को प्रभावित करने की बजाय सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों को लाभान्वित करने के लिए सबसे करीबी माध्यम है।

सामाजिक सम्पर्क साइटों पर गुप्त और असत्यापित जानकारी की बमबारी दर्शकों के दिमाग को अव्यवस्थित करने के अलावा उनके प्राइम-टाइम पर जगह बनाने और विचलित करने का कारण बन रही है, इसने उनसे दिमाग, दिल और आत्मा के साथ कुछ पल रहने और जीने का आनन्द छीन लिया है। इसके अतिरिक्त, पक्षपाती सोशल मीडिया एल्गोरिदम निष्क्रिय रूप से उपयोगकर्ताओं को अनुपयुक्त सामग्री का उपभोग करने के लिए मजबूर करते हैं जो नैतिक असंवेदनशीलता का कारण बन सकते है।

एक अध्ययन के अनुसार ऐसे पीड़ित स्क्रीन-उत्तेजना की खोज़ करने की इच्छा से मजबूर होकर, दिन में 79 बार अनैच्छिक रूप से अपने मोबाइल फोन की जांच करते देखे जा सकते हैं। नेटवर्किंग साइटों पर अत्यधिक व्यस्तता व्यक्तियों को एकान्त और अकेलेपन में घसीटने की क्षमता रखती है। नियमित रूप से आमने-सामने की बातचीत के अभाव में, मनुष्य चेहरे के संकेतों, आवाज़ के स्वर और परिवर्तन, शरीर की भाषा और भावनाओं की गर्मजोशी को पहचानने और उन पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता खो देते हैं।

सोशल मीडिया की लत के नैतिक परिणाम कहीं अधिक गम्भीर हैं और 'साइबरबुलिंग' से लेकर निजता के उल्लंघन तक फैले हुए हैं। मिडल और हाई स्कूलों के 30 प्रतिशत छात्रों की पहचान 'साइबरबुलिंग' के पीड़ितों या दोषियों के रूप में की गई है, और उनमें से 18 प्रतिशत लड़कियां हैं। दुर्भाग्य से, 'साइबरबुलिंग' के 15 प्रतिशत पीड़ित अवसाद के कारण आत्महत्या करने का प्रयास करते हैं। सोशल मीडिया पर गुप्त पहचान और गुमनामी अक्सर उपयोगकर्ताओं को अनुचित सामग्री पोस्ट करने और पीछा करने, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग जैसे साइबर-अपराधों में लिप्त होने के लिए प्रोत्साहित करती है। हालांकि, टेलीग्राफ संचार अधिनियम, 2023 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के कर्तव्यों को निर्धारित करता है, ग्राहकों को उनकी निजता में अनधिकृत घुसपैठ से बचाने के लिए उपाय निर्धारित करता है और प्रवर्तन एजेंसियों को आपत्तिजनक संचार को रोकने और सेवा प्रदाताओं को ऐसे तत्वों को बेनकाब करने और उनके 'एन्क्रिप्टेड' संदेशों को प्रकट करने के लिए मजबूर करने का अधिकार देता है। लेकिन नियमों के अभाव और जनता की ओर से जागरूकता की कमी में यह निवारक कानून साबित नहीं हो रहा है।

मीडिया-स्क्रीन पर अति-सक्रियता के मुद्दे पर सभ्यता ऐसे घातक मोड़ पर खड़ी है कि उसे आत्मनिरीक्षण करना ही पड़ेगा कि 'क्या हम सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं या इसने हमें हज़म करना शुरू कर दिया है?'

-केपी सिंह

ग्राम्य आर्थिकी में कृषि पर्यटन की भूमिका

कृषि पर्यटन, कृषि और पर्यटन का एक संलयन, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को चलाने और गांवों से शहरी केंद्रों में प्रवास की प्रवृत्ति को उलटने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। ग्राम केंद्रित, किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों का निर्माण करके, हम स्थायी कृषि प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और ग्रामीण जीवन के लिए नए सिरे से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि पर्यटन का लाभ उठा सकते हैं। किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत प्रदान करके, कृषि पर्यटन खेती को अधिक आकर्षक और व्यवहार्य आजीविका विकल्प बना सकते हैं। यह युवा पीढियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो बेहतर अवसरों की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों को छोडने पर विचार कर सकते हैं। यह प्रदर्शित करके कि खेती लाभदायक और पूर्ण दोनों हो सकती है, कृषि पर्यटन ग्रामीण समुदायों में युवाओं को बनाए रखने में मदद कर सकता है और उन्हें खेती को करियर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों में प्रवास कई क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिससे गांवों की आबादी कम हो रही है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट आई है। ग्राम केंद्रित और किसान केंद्रित आर्थिक नीतियों द्वारा समर्थित कृषि पर्यटन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका बनाकर इस प्रवृत्ति को उलटने में मदद कर सकता है। विकेंद्रीकरण, तकनीकी हस्तक्षेप और भंडारण सुविधाओं व प्रसंस्करण इकाइयों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से, कृषि पर्यटन प्रवासन प्रवृत्तियों को उलटने और आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण के लिए कृषि पर्यटन उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। यह उन प्रथाओं को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है जो संसाधनों का संरक्षण करते हैं, पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हैं और कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करते हैं।

यह उपभोक्ताओं और उनके भोजन के स्रोतों के बीच गहरे संबंध को भी बढ़ावा देता है जिससे स्थायी कृषि प्रथाओं के बारे में अधिक जागरूकता होती है। कृषि पर्यटन किसानों को स्थायी कृषि विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हैं। कृषि पर्यटन के पर्यटक/आगंतुक अक्सर प्रामाणिक, पर्यावरण के अनुकूल अनुभव चाहते हैं, जो किसानों को जैविक खेती, फसल रोटेशन जैसी प्रथाओं को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये विधियां मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने, पानी के संरक्षण और हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने में मदद करती हैं, जिससे दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान होता है। कृषि पर्यटन के माध्यम से किसान प्रकृति आधारित अनुभवों जैसे पक्षी देखने, वन्यजीव पर्यटन और पर्यावरण के अनुकूल आवास प्रदान करके अपनी आय में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। ये गतिविधियां प्राकृतिक आवासों और जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। अपनी भूमि पर जंगलों, आर्द्रभूमि और अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों की रक्षा करके, किसान ग्रामीण परिदृश्य की सुंदरता और शांति का अनुभव करने में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। यह बदले में, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देता है। कृषि पर्यटन स्थानीय खपत को बढ़ावा देकर और भोजन की लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता को कम करके कृषि के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद कर सकता है। जब पर्यटक खेतों में जाते हैं और ताजा, स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन खरीदते हैं, तो यह लंबी दूरी पर ले जाने वाले भोजन की मांग को कम करता है जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त कृषि पर्यटन खेतों पर सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कृषि गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को और कम किया जा सकता है। ग्रामीण जीवन और कृषि के प्रति शहरी-केंद्रित दृष्टिकोण को बदलने में कृषि पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शहरी क्षेत्रों के लोगों को खेती की वास्तविकताओं का अनुभव करने, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने और टिकाऊ कृषि के महत्व की सराहना करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। कृषि पर्यटन के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच की खाई को पाटने की इसकी क्षमता है।

शहरों से लोगों को खेतों में लाकर कृषि पर्यटन ग्रामीण जीवन की अधिक समझ को बढ़ावा देता है। पर्यटक कृषि गतिविधियों में भाग ले सकते हैं, जैसे फसलों की कटाई, गायों का दूध निकालना और पारंपरिक खाद्य पदार्थ बनाना, जिससे उन्हें खेती में आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। यह ग्रामीण जीवन के बारे में रूढियों और गलत धारणाओं को तोडने में मदद करता है और शहरी व ग्रामीण समुदायों के बीच एकजुटता की भावना पैदा करता है। कृषि पर्यटन साझा अनुभवों को एक साथ लाकर ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय की भावना को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है। खेतों पर आयोजित त्योहार, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम विविध पृष्ठभूमि से पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं, सामाजिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दे सकते हैं। इन अंतर्क्रियाओं से पारंपरिक ग्रामीण प्रथाओं और स्थानीय रीति-रिवाजों व परंपराओं को संरक्षित करने में नए सिरे से रुचि पैदा हो सकती है। विकेंद्रीकरण ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि आर्थिक विकास प्रत्येक गांव की विशिष्ट आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुरूप हो। स्थानीय सरकारों और सामुदायिक संगठनों को निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करके, हम ऐसी नीतियां बना सकते हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों की अनूठी चुनौतियों और अवसरों के प्रति उत्तरदायी हों। यह दृष्टिकोण बाजारों तक पहुंच, बुनियादी ढांचे के विकास और संसाधन प्रबंधन जैसे मुद्दों को हल करने में मदद कर सकता है, जो कृषि पर्यटन पहल की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रौद्योगिकी कृषि की उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो कृषि पर्यटन की सफलता के लिए आवश्यक है। किसानों को आधुनिक उपकरणों और तकनीकों तक पहुंच प्रदान करके हम फसल की पैदावार में सुधार कर सकते हैं, बर्बादी को कम कर सकते हैं और खेती की लाभप्रदता बढ़ा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, सटीक कृषि प्रौद्योगिकियां, जैसे ड्रोन और सेंसर, किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य की निगरानी करने, सिंचाई का अनुकूलन करने और उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करने में मदद कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को संभावित पर्यटकों से जोड़ सकते हैं, जिससे वे अपने कृषि पर्यटन प्रसाद को अधिक प्रभावी ढंग से बाजार में ला सकते हैं। कृषि पर्यटन और ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने का एक महत्वपूर्ण घटक जैविक कृषि उत्पादों के भंडारण और प्रसंस्करण के लिए बुनियादी ढांचे का विकास है। खाद्यान्न के लिए ब्लॉक स्तर पर भंडारण सुविधाओं और फलों व सब्जियों के लिए कोल्ड स्टोरेज इकाइयों का निर्माण करके हम फसल के बाद के नुकसान को कम कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले। इसके अतिरिक्त खाद्यान्न, बाजरा और फलों के लिए प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना जैविक कृषि उत्पादों में मूल्य जोड़ सकती है, किसानों के लिए आय के नए स्रोत बना सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को अधिक लचीला बना सकती है।

-डा. अमरीक सिंह ठाकुर
शिक्षाविद

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : द्वितीया | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं का उत्पात बना रहेगा। पैरों में चोट चपेट लग सकती है। प्रेम संतान की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक तनाव बना रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

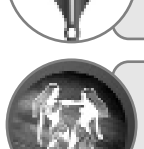

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
मिथुन राशि की स्थिति स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम संतान की स्थिति पहले से बेहतर, व्यापार अच्छा चल रहा है।

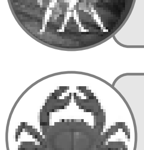

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। भुजा से लेकर के सिर तक की प्रॉब्लम संभव है। प्रेम संतान व्यापार मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
निवेश करने से बचें। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम, व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऊर्जा का उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

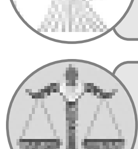

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनायास खर्च की स्थिति रहेगी। स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। प्रेम संतान लगभग ठीक है। प्रेम, संतान ठीक है। व्यापार भी ठीक रहेगा।

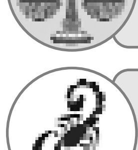

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। मान सशंकित रहेगा। प्रेम संतान भी मध्यम रहेगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

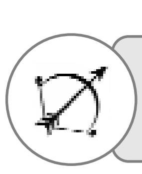

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट कचहरी से बचें। स्वस्थ मध्यम है। प्रेम संतान व्यापार लगभग ठीक है। लाल वस्तु पास रखें।

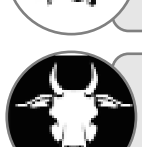

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों की विघ्न बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व्यापार मध्यम।

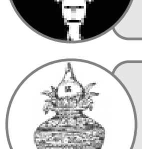

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

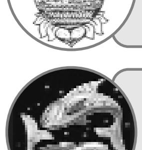

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। जीवनसाथी का भी स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है, और दोनों का साथ भी प्रभावित दिख रहा है।

इफको परिसर स्वच्छता की मिसाल : योगी

प्रयागराज (फूलपुर) (ब्यूरो)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फूलपुर आने के बाद इफको परिसर में इफको के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक व उनके अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह व शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इफको परिसर स्वच्छता की एक मिसाल है। फूलपुर क्षेत्र के लिए उन्होंने कहा कि वे फूलपुर की जनता के आभारी हैं कि उन्होंने यहां से दो बार से विधायक रहे प्रवीण पटेल को लोकसभा भेज कर एक मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे फूलपुर संसदीय क्षेत्र को इफको के परिसर की तरह स्वच्छ और सुंदर तरीके से सवांरा जाएगा।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले का उद्घाटन किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को टैबलेट बाटे तथा हजारों लोगों को नियुक्ति पत्र भी दिया, एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री योगी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित मकान की चाबी लाभार्थियों को सौपी।

इस मौके पर योगी आदित्यनाथ का स्वागत फूलपुर से सांसद प्रवीण पटेल ने किया, कार्यक्रम का संचालन रंजना त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, खादी ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह महापौर गणेश चंद्र केसरवानी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, भदोही के सांसद डॉक्टर विनोद बिंद, विधायक प्रिय रंजन निषाद, गुरु प्रसाद मौर्य और एम एल सी डॉक्टर केपी सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में डाली थी डकैती, पुलिस ने किया लंगड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। कोतवाली इकोटेक-3 के सरस्वती एंक्लेव कॉलोनी में 28 अगस्त को हुई डकैती का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने डकैती में शामिल टोपी गैंग के दो बदमाशों को पुस्ता रोड पर हुए मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन दोनों बदमाशों ने अपने 6 अन्य साथियों के साथ मिलकर डकैती की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश कर रही है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल आमिर और गोलू उर्फ दिलशाद को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों बदमाश ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव में रह रहे थे। इन दोनों ने अपने छह अन्य

साथियों के साथ मिलकर 28 अगस्त की शाम सरस्वती एनक्लेव कॉलोनी में विनीत के घर पर डकैती डाली थी। पुलिस इस डकैती में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि पकड़े गये दोनों बदमाश एक संगठित गिरोह के सदस्य है, इस गैंग में 8-10 लोग शामिल है। ये गैंग रैकी करके एकान्त में बने घरो को निशाना बनाता है। इस गैंग के सदस्य पहचान छिपाने के लिए टोपी पहनकर घटना को अंजाम देता था। बदमाश घटना के समय टोपी के अलावा मुंह पर गमछा भी लपेट कर रखते थे। इसके अलावा चप्पल पहन कर आते थे। जब यह मौके से भागते थे तो चप्पल उतार कर भागते थे, ताकि तेजी से भागा जा सके। पुलिस को घटनास्थल से उनकी टोपी और चप्पल मिली थीं।

शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि हमारा एक साथी टैक्सी चलाता है, अन्य सभी लोग रैकी करने के उद्देश्य से रेहड़ी लगाने का कार्य करते है। 28 अगस्त को हमलोगो ने सरस्वती इन्कलेव सेक्टर-143 कुलेसरा में घुसकर डकैती को अन्जाम दिया गया था। पुलिस ने बदमाशों को कब्जे से 37 हजार रुपए दो तोले गला हुआ सोना वारदात में इस्तेमाल की गई कर बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं।

भाकियू (बलराज) का धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाह रवैए के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में सोसायटी निवासियों का पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट मेंटेनेंस आफिस गेट पर अनिश्चितकालीन धरना आज भी जारी रहा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि सोसायटी निवासी पैरामाउंट बिल्डर के अवैध निर्माणों की बराबर जानकारी हासिल कर रहे है बुधवार को सोसायटी निवासियों ने बिल्डर द्वारा सोसायटी के अन्दर बने चार टावरों की ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) व कंप्लीशन सर्टिफिकेट, (सीसी) नही होने के बावजूद अवैध रूप से बिजली सप्लाई की जा रही है, पैरामाउंट गोल्फ मार्ट की ओसी, सीसी नही है। जिसमें आफिस, दुकान, स्टूडियो में बिजली सप्लाई एनपीसीएल की मिली भगत से अवैध रूप से सप्लाई की जा रही है और पैरामाउंट के रेजिडेंस एरिया के बाहर जो मार्केट है उसमें आफिस स्पेस अवैध बनाये है और स्टूडियो फ्लैट ओक और पाईन टावर जो यूपीएसआईडीसी के प्लान के तहत स्टूडियो फ्लैट 713 बनने थे और पैरामाउंट बिल्डर ने 1680 बना दिये जो पूर्ण रूप से अवैध बनाये गए है बिल्डर ने सोसायटी मै चार टावर बनाये थे। उनकी खनन की परमिशन तक नही ली गयी थी।

संगठन के यूथ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोसायटी निवासी रामकुमार नागर का कहना है कि पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों के साथ बिल्डर ने बहुत बडी धोखाधड़ी की हुई है और सरकार को भी करोडों रूपए का चूना लगाया है। सोसायटी निवासियों के बार-बार शिकायत के बावजूद भी यहाँ का प्रशासन मौन है बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने से प्रशासन कतरा रहा है जिससे भारतीय किसान यूनियन (बलराज) और सोसायटी निवासियों मै आक्रोश है भारतीय किसान यूनियन (बलराज) ने 11 सितम्बर को धरनास्थल पर महापंचायत बुलाई गई है जिसकी तैयारी मै संगठन और सोसायटी निवासी जोर-शोर से लगे हुए है ।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य बाबा रगींलाल, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र खारी, प्रदेश महासचिव संदीप नागर नंगला, कैप्टन धर्मपाल बैंसला ,केपी सिंह, भगवंत सिंह, सोविदंर भाटी, रत्नेश शुक्ला,गौरव ठाकुर, एन बी जोशी, रश्मि माथुर, आशा जोशी, दर्पण रहेजा, दीपक नागर, महीपाल सिंह, आशू चौहान, आदि किसान मौजूद रहे।

भाकियू (अम्बावता) ने शिक्षकों को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उम्मीद संस्था एवं सामाजिक संगठनों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर दादरी एनटीपीसी स्थित डीपीएस स्कूल में शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया।

उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉक्टर देवेंद्र कुमार नागर एवं भा,कि यू अंबावता संगठन की दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपबास ने बताया कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने वाले नहीं होते, वे समाज के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ की भूमिका निभाते हैं। उनके समर्पण, कड़ी मेहनत, और छात्रों के भविष्य को संवारने के प्रयासों को मान्यता देने का यह एक सराहनीय प्रयास है।

उम्मीद संस्था का यह सम्मान न केवल शिक्षकों के योगदान को स्वीकार करता है, बल्कि उन्हें और भी अधिक प्रेरित करता है कि वे इसी तरह अपनी भूमिका को निष्ठा और समर्पण के साथ निभाते रहें।

इस तरह के सम्मान समारोह शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं और समाज को शिक्षकों की अहमियत का अहसास कराते हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रधानाचार्य पूनम दुआ, प्रवीण कसाना, रतना सामन्था,भूपेंद्र सिंह, मणि रतन त्रिपाठी, संतोष सिंह, नवीन, मास्टर,जागेश कुमार, संजीव मुकदम , किसान नेता राजकुमार रूपबास, मास्टर बालचंद नागर, मास्टर ब्रह्म सिंह अनिल प्रधान मास्टर देवेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2024

आगामी त्यौहारों के सीज़न में रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्वघोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन भी निम्न विवरण के अनुसार किया जाएगा:-

01491/01492 पुणे जं. - हज़रत निज़ामुद्दीन - पुणे जं. सुपरफास्ट स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 4 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01491		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	17:30	पुणे जं.	22:30	--
19:00	--	हज़रत निज़ामुद्दीन	--	22:30

चलने की तिथि : 01491 पुणे जं. से दिनांक 25.10.2024 एवं 01.11.2024 (शुक्रवार) तक एवं **01492 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 26.10.2024 एवं 02.11.2024 (शनिवार) को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: लोणावला, कल्याण जं., कामन रोड, वसई रोड, सूरत, बडोदरा जं., रतलाम जं., भवानी मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर जं. एवं मथुरा जं., स्टेशन।

01415/01416 पुणे जं. - गोरखपुर जं. - पुणे जं. स्पेशल रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 42 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01415		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01416	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:50	पुणे जं.	03:15	--
10:00	10:05	लखनऊ जं.	22:30	22:35
16:00	--	गोरखपुर जं.	--	17:30

चलने की तिथि : 01415 पुणे जं. से दिनांक 22.10.2024 से 11.11.2024 तक (प्रतिदिन) एवं **01416 गोरखपुर जं. से** दिनांक 23.10.2024 से 12.11.2024 तक (प्रतिदिन)।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, अंकाई, मनमाड़ जं., भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ जं., बाराबंकी जं., गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 2760/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पृष्ठ एक के शेष....

गौतमबुद्धनगर में...

इस अवसर पर सदस्यता अभियान से जुड़ा पंपलेट भी लॉन्च किया गया।

पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा नेता श्रीमती कांता कर्दम, प्रमोद गुप्ता, जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, महामंत्री तथा सदस्यता अभियान की प्रभारी उमेश त्यागी, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, भाजपा के महानगर कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

युवक की गला...

जांच की तो पता चला कि शव अज्ञात युवक का है। युवक का गाला काटा हुआ था। पुलिस आशंका जाता रही है कि युवक की हत्या कर शव को सर्विस रोड पर फेंक दिया गया है। घटनास्थल के आसपास निर्माण कार्य चल रहा है, इस मामले की जांच की जांच रही है।

ओवरलोड वाहनों पर...

तहत कालिंदी कुंज जंक्शन, डीएनडी जंक्शन, ईस्टर्न पेरीफेरल जंक्शन, यमुना एक्सप्रेस वे एवं लाल कुआं गाजियाबाद पर ओवरलोड माल वाहनों के विरुद्ध व्यापक और प्रभावी कार्रवाई की। कालिंदी कुंज जंक्शन पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर उदित नारायण व यात्रीकर अधिकारी गाजियाबाद मनोज कुमार, डीएनडी जंक्शन पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर अभिषेक कनौजिया व यात्रीकर अधिकारी गाजियाबाद राजेश्वर कुशवाहा, ईस्टर्न पेरीफेरल जंक्शन (सिरसा-पलवल) पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर विपिन चौधरी व एआरटीओ (प्रवर्तन) गाजियाबाद मनोज मिश्रा, यमुना एक्सप्रेस वे(जीरो पॉइंट) पर यात्रीकर अधिकारी गौतम बुद्ध नगर के0जी0 संजय,राजेश मोहन, लाल कुआं गाजियाबाद पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गाजियाबाद अमित राजन राय व यात्रीकर अधिकारी हापुड़ आशुतोष उपाध्याय ने चेकिंग की।

अभियान के दौरान 23 ओवरलोड वाहनों का चालान कर निरुद्ध किया गया तथा 10 लाख 53 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। चालान कर बंद किये गये वाहनों में थाना-126 में 1, सेक्टर-62 डी पार्क में 10, थाना नालेज पार्क में 3, सेक्टर 49 में 1, थाना ईकोटेक-1 में 4, थाना बादलपुर में 4 वाहनों को निरुद्ध किया गया।

सोशल मीडिया के कारण...

संस्थानों और छात्रों से बहुत सारी सकारात्मक उर्जा मिलती है और आज मैं यहाँ जीवन मूल्यों और छात्रों को चुनने के लिए मार्ग के बारे में बात करने के लिए हूँ। जब हम स्वतंत्रता के बारे में बात करते हैं, तो कोई भी व्यक्ति इस दुनिया में स्वतंत्र नहीं है क्योंकि हम मनुष्य के रूप में पैदा हुए हैं, और हमारे पास जीवन में कुछ जिम्मेदारियाँ हैं। हालाँकि, अनुशासन के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है क्योंकि अनुशासन आपके दिमाग को मुक्त एंव शांत बनाता है और जब मस्तिष्क स्पष्ट होता है, तो आप स्पष्ट रूप से सोच सकते हैं। श्रीमती सिंह ने कहा कि जब मैंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने का फैसला किया, तो मुझे बहुत सारे लिंगभेद पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ा। किसी के पास यह साबित करने के लिए आंतरिक विश्वास होना चाहिए कि आपका विकल्प तर्कसंगत है और सफल होने की इच्छा अनुशासन से आती है।

युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि आज, युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर सब कुछ प्रदर्शित कर रही है और नैतिकता पीछे छूट गई है। हालांकि, अगर सोशल मीडिया का उपयोग हमारी क्षमता, कौशल और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है, तो यह एक सार्थक उद्देश्य पूरा करता है। उन्होंने कहा कि जो सफलता पलक झपकते ही मिल जाती है, वह टिकाऊ नहीं होती है।

एक छात्र द्वारा विफलता के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए, श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने कहा कि जब आप असफल होते हैं और किसी समस्या का समाधान नहीं पा सकते हैं, तो आपको रीबूट, रिवाइंड और रीस्टार्ट की जरूरत होती है। जब आप नए दिमाग और नजरिए से फिर से सोचना शुरू करते हैं, तो आपको अपनी समस्या का समाधान जरूर मिलेगा। उन्होंने छात्रों से सीखने की भूख को जीवित रखते हुए हमेशा आगे बढ़ते रहने का आह्वान किया।

एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डा अतुल चौहान ने कहा कि पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के संबोधन ने छात्रों सहित हम सभी को प्रेरित किया है। आज का दिन छात्रों के लिए उत्साहपूर्ण दिवस है जब वे स्कूली जीवन से कॉलेज के जीवन में प्रवेश कर रहे है।

ग्रेटर नोएडा में पहुंची...

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारत की राजधानी दिल्ली पहुंच गई है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने के लिए कीवी टीम सुबह 5:40 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचकर सीधे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हो गई।

यूजीलैंड टीम का होटल में भव्य स्वागत हुआ। उन पर फूलों की बरसात की गई। कीवी टीम दोपहर बाद ग्रेटर नोएडा के स्टेडियम में प्रैक्टिस करेगी।

बता दें कि 2021 की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन टीम 9 सितंबर को शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेगी।

ठक-ठक गिरोह...

ने बताया कि थाना सेक्टर-24 की पुलिस टीम सेक्टर-34 कट के पास चेकिंग की जा रही थी तभी दो व्यक्ति एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर आते दिखाई दिये। चेकिंग के लिए जब पुलिस ने दोनों को रोकने की कोशिश की, तो पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगे, पुलिस ने जब पीछा कर जवाबी क्रॉस फायरिंग में सुमित बेनीवाल पैर में गोली लगने से घायल हो गया और दूसरा बदमाश शुभम को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि सुमित बेनीवाल और शुभम ठक-ठक गिरोह का सदस्य है और नोएडा-एनसीआर में आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। इस गैंग के सदस्य गुलेल और छर्रे से चंद मिनटों में कार का शीशा तोड़कर भी चोरी करते हैं। लेकिन घिर जाने या पकड़ने जाने पर हथियार का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हिचकते है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, चोरी के 4 लैपटॉप, गाड़ियों के शीशे तोड़ने वाली एक गुलेल वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली बाइक बरामद हुई है। बदमाशो के अन्य आपराधिक इतिहास जानकारी की जा रही है।

प्राधिकरण के 900 कर्मचारियों...

पालन नहीं करने वाले 882 कर्मचारियों (आईएएस और पीसीएस अधिकारियों को छोड़कर) का वेतन रोक दिया गया था। हालांकि, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को जारी एक नए आदेश में समय सीमा बढ़ाकर कर्मचारियों को कुछ राहत दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि आईएएस और पीसीएस अधिकारियों ने आदेश का अनुपालन किया है।

साइबर पुलिस ने लोगों के बचाए 4.81 करोड़

रुपये फ्रीज कराकर जालसाजों के पास जाने से रोका

नोएडा। सेक्टर-36 साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने अगस्त में 22 साइबर अपराध से जुड़े मामले में 4.81 करोड़ रुपये फ्रीज कराए हैं। जल्द इस रकम को ठगी का शिकार पीड़ितों को वापस कराया जाएगा। वहीं 12 जालसाजों को दबोचकर सलाखों के पीछे भेजा है। ज्यादातर वह आरोपित हैं, जिन्होंने ठग गिरोह को कमीशन पर अपना खाता उपलब्ध कराया है। एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव का कहना है कि ठगी की शिकायत मिलते उन खातों को फ्रीज कराने का प्रयास किया जाता है। जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर होती है। ठगी के शुरुआती घंटे में जिस पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की उनकी 50 प्रतिशत से अधिक की रकम को बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर फ्रीज कराया है। साइबर ठगी से संबंधित मामलों का त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस पीड़ितों को जल्द से जल्द सहायता प्रदान करने का प्रयास करती है। बैंक और अन्य एजेंसियों से सामंजस्य स्थापित करते हुए साइबर ठगी के पैसों को जल्द से जल्द पीड़ितों के खातों में वापस कराया जाता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 56/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से **''खुली''** निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : रामपुर-लालकुआँ अनुभाग में समपार सं. 35 एवं 46 के स्थान पर एल.एच.एस. का शेष निर्माण कार्य (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत इज्जतनगर डिवीजन में वमइं/I/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में समपारों (17 नग) के स्थान पर एल.एच.एस. का निर्माण कार्य), **अनुमानित लागत :** रु. 6,02,57,062.08, **बयाना राशि :** रु. 4,51,300/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 06 माह तक। **क्र. सं. : 2, कार्य का विवरण :** काशीपुर स्टेशन पर मानसून के मौसम में हैवी सरफेस रनऑफ के कारण जलभराव को रोकने के लिए जल निकासी व्यवस्था का प्रावधान, **अनुमानित लागत :** रु. 89,93,824.96, **बयाना राशि :** रु. 1,79,900/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 04 माह तक।

1. ई-निविदा दिनांक 25.09.2024 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.)
मुजाधि/डब्ल्यू-232 इज्जतनगर
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन अवधि में विस्तार

दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ पूजा त्योहार-2024 के दौरान रेलयात्रियों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है इनका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित अवधि	
					से	तक
05636	गुवाहाटी	श्री गंगानगर जं.	बुध	25.09.24	02.10.24	27.11.24
05635	श्री गंगानगर जं.	गुवाहाटी	रवि	29.09.24	06.10.24	01.12.24
02525	कामाख्या जं.	आनन्द विहार (ट)	शुक्र	06.09.24	13.09.24	29.11.24
02526	आनन्द विहार (ट)	कामाख्या जं.	रवि	08.09.24	15.09.24	01.12.24
05671	गुवाहाटी	आनन्द विहार (ट)	बुध	04.09.24	11.09.24	27.11.24
05672	आनन्द विहार (ट)	गुवाहाटी	शुक्र	06.09.24	13.09.24	29.11.24
05734	कटिहार जं.	अमृतसर जं.	वीर	12.09.24	19.09.24	28.11.24
05733	अमृतसर जं.	कटिहार जं.	शनि	14.09.24	21.09.24	30.11.24

रेलगाड़ी संख्या 01079/01080 का संशोधित परिचालन अवधि

रेलगाड़ी संख्या 01079/01080 संशोधित परिचालन अवधि के साथ चलेगी, जिसका विवरण निम्नुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संशोधित तिथि
01079	छत्रपति शिवाजी (ट) मुंबई	गोरखपुर जं.	प्रतिदिन	25.10.24 से 07.11.24	22.10.24 से 11.11.24
01080	गोरखपुर जं.	छत्रपति शिवाजी (ट) मुंबई	प्रतिदिन	27.10.24 से 09.11.24	24.10.24 से 13.11.24

• अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद वेबसाइट : www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

2752/2024 | पर हमें फॉलो करें | रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | उत्तर रेलवे | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

मैंक कॉन्फ्रेंसस एंड इवेंट्स लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। मैंक कॉन्फ्रेंसस एंड इवेंट्स लिमिटेड , जो उद्योग में संपूर्ण इवेंट प्रबंधन समाधान प्रदान करने में विशेषज्ञ है, अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को 4 सितंबर, 2024 को खोलने का प्रस्ताव करता है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से उच्चतम मूल्य बैंड पर ?125.28 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखती है, और शेयर ख्स्श्व स्नूश्व प्लेटफार्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इश्यू साइज 55,68,000 तक होगा, जिसमें 22,29,000 ताजे इश्यू इम्टी शेयर और 33,39,000 ऑफर फॉर सेल शामिल हैं, सभी 10 के फेस वैल्यू पर। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्से की बिडिंग 3 सितंबर, 2024 को शुरू होगी, और अन्य सभी श्रेणियों के लिए इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खोला जाएगा और 6 सितंबर, 2024 को समाप्त होगा। इस ऑफर का बुक रनिंग लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है। इश्यू का रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है। मैंक कॉन्फ्रेंसस एंड इवेंट्स लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमित भाटिया ने कहा, यह आईपीओ हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भविष्य की वृद्धि और सफलता की नींव रखेगा। दो दशकों से अधिक के उद्योग अनुभव के साथ, मैंक कॉन्फ्रेंस वैश्विक स्तर पर इवेंट्स का प्रबंधन करता है। हमारे उद्योग की वर्किंग कैपिटल-गहन प्रकृति को देखते हुए, आईपीओ की प्राप्त राशि हमारे वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे हमें बड़े और उच्च-मूल्य वाले इवेंट्स के लिए बोली लगाने की अनुमति मिलेगी। इससे हमारे ब्रांड की मान्यता और मूल्य में वृद्धि होगी, अंततः हमारे संचालन को मजबूत किया जाएगा और हमारी कंपनी की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होगी।

ऑयल ऑफ मालाबार ग्वालियर में भी उपलब्ध

ग्वालियर , एजेंसी। उत्तरी केरल का मालाबार क्षेत्र नारियल की खेती के लिए जाना जाता है, क्योंकि अनुकूल जलवायु के चलते यहां गर्मी नमी और अच्छी बारिश होती है, जिससे नारियल की खेती के लिए यह स्थान एकदम सही है। आपको बता दें कि बेहतर नारियल तेल के लिए अच्छे नारियल बहुत ज़रूरी हैं और उत्तरी मालाबार प्रीमियम ग्रेड के नारियल के उत्पादन के लिए जाना जाता है, यही वजह है कि ऑयल ऑफ मालाबार ब्रांड अपने उत्पाद के लिए लगभग 10 प्रतिशत नारियल तेल मालाबार से लेता है, ताकि अच्छे नारियल तेल का निर्माण किया जा सके। ऑयल ऑफ मालाबार ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश में उपलब्ध हैं। कम ही लोगों को पता होगा कि मालाबार तट पर सदियों से नारियल के पेड़ों की खेती की जा रही है, ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि हज़ारों सालों से नारियल के पेड़ इस क्षेत्र की मुख्य फसल थे और यह नारियल के व्यापार का भी प्रमुख केंद्र था। ऑयल अरब सागर के साथ मालाबार तट की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण यहां अरब और यूरोपीय व्यापारियों के साथ नारियल का व्यापार किया जाता था। उत्तरी मालाबार में नारियल की अच्छी किस्में उगाई जाती हैं, यहां की जलवायु, भरपूर बारिश और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी के कारण नारियल में तेल की मात्रा भी अधिक होती है और उनका स्वाद भी बेहतर होता है। यहां के अधिकांश किसान आज भी रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग न करके खेती के पारंपरिक तरीके अपनाते हैं, जिससे नारियल का प्राकृतिक स्वाद और पोषण बना रहता है।

वैशाली फार्मा लि. की 1:1 बोनस इश्यू और 1:5 स्टॉक स्प्लिट की सिफारिश

इनोवेशन के साथ अपनी मजबूत विकास गति जारी रखने की उम्मीद, कंपनी के बोर्ड ने हाल ही में रु. 10 अंकित मूल्य के 1 इक्विटी शेयर को रु. 2 के पांच इक्विटी शेयरों में विभाजित करने की मंजूरी दे दी है

मुंबई , एजेंसी। मुंबई स्थित वैशाली फार्मा लिमिटेड के बॉर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 28 अगस्त, 2024 को आयोजित बैठक में स्टॉक विभाजन के साथ 1ः1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने की सिफारिश की है (रिकॉर्ड तिथि पर कंपनी में रखे गए प्रत्येक 1 इक्विटी शेयर के लिए 1 बोनस इक्विटी शेयर) जो आवश्यक नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने रु. 10 अंकित मूल्य के 1 इक्विटी शेयर को रु. 2 के अंकित मूल्य के 5 इक्विटी शेयरों में उप-विभाजन को मंजूरी दे दी। बोनस इश्यू का उद्देश्य मौजूदा शेयरधारकों को पुरस्कृत करना, तरलता बढ़ाना और शेयरधारक आधार का विस्तार करना है। बोर्ड ने राइट्स इश्यू, प्राइवेट प्लेसमेंट, क्वालिफाइड इन्स्टिट्यूशन्स प्लेसमेंट (क्यूआईपी), प्रेफरन्शियल इश्यू या किसी अन्य विधि के माध्यम से इक्विटी शेयर, डिबेंचर या अन्य सिक्योरिटीज के माध्यम से धन जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। दुनिया भर में सेमी-रेग्युलेटेड और नोन-रेग्युलेटेड बाजारों में काम करते हुए, कंपनी ने हाल ही में दक्षिणी अफ्रीका, पश्चिम अफ्रीका, गल्फ रिजन, लैटिन अमेरिका और आसियान क्षेत्र में 19 पंजीकरण प्राप्त किए थे। ये पंजीकरण कंपनी के वार्षिक राजस्व में लगभग रु. 100 मिलियन का योगदान देने के लिए तैयार हैं।

मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और वितरण नेटवर्क द्वारा समर्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की सूचना दी थी। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री 34.70 प्रतिशत बढ़कर रु. 18.08 करोड़ हुई, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के दौरान यह रु. 13.42 करोड़ थी। कंपनी का शुद्ध लाभ जून 2023 को समाप्त पिछली तिमाही में रु. 1.59 करोड़ के मुकाबले 7.13 प्रतिशत बढ़कर रु. 1.70 करोड़ हो गया।इस विषय पर टिप्पणी करते हुए, वैशाली फार्मा लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अतुल वसाणी ने कहा, हमें अपने हितधारकों को सूचित करते हुए गर्व हो रहा है कि कंपनी अपनी दीर्घकालिक विकास रणनीति में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है और उत्कृष्ट परिचालन एवं वित्तीय परिणाम दे रही है। स्टॉक विभाजन और बोनस शेयरों पर विचार शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और उनका दीर्घकालिक विश्वास और विश्वास अर्जित करने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह कदम न केवल हमारे मौजूदा शेयरधारकों को उनके निरंतर समर्थन के लिए पुरस्कृत करेगा बल्कि कंपनी के इक्विटी आधार को भी बढ़ाएगा, जिससे तरलता बढ़ेगी। विकास और नवप्रवर्तन पर ध्यान देने के साथ, कंपनी रणनीतिक पहलों के माध्यम से अपनी पहचान बना रही है और उभरते फार्मास्युटिकल क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपस्थिति बनने का वादा कर रही है।

1989 में स्थापित वैशाली फार्मा लिमिटेड एपीआई, फॉर्मूलेशन, सर्जिकल प्रोडक्ट्स, वैटरिनरी सप्लीमेन्ट्स, हर्बल आइटम, न्यूट्रास्यूटिकल्स और ऑन्कोलॉजी प्रोडक्ट्स सहित विभिन्न प्रकार के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स के उत्पादन और विपणन में माहिर है। उनका पोर्टफोलियो मानव और पशु दोनों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करता है। कंपनी के पास कई देशों में 250 से अधिक फॉर्मूलेशन ब्रांड हैं और लगभग 250 डोजियर की एक मजबूत पाइपलाइन है। ड्ढ्रह्ल-तस्क्क विनिर्माण सुविधाओं के साथ कंपनी का सहक्रियात्मक सहयोग ग्राहकों के साथ उत्कृष्ट तालमेल द्वारा समर्थित है। कंपनी फार्मास्युटिकल उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ती और सबसे वर्सेटाइल कंपनी में से एक है। इसकी घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों में मजबूत उपस्थिति है और वर्तमान में यह सभी प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को आपूर्ति कर रही है।

एचडीएफसी बैंक ने गीगा लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने विशेष रूप से गिग वर्कर्स/फ्रीलांसरों के लिए डिज़ाइन किए गए उत्पादों और सेवाओं का एक संपूर्ण वित्तीय सेट गीगा लॉन्च किया। शुरुआत के तौर पर, बैंक ने फ्रीलांसरों की ज़रूरतों को समझने के लिए एक गहन उपभोक्ता शोध अध्ययन किया, जिसके आधार पर, इसने गीगा लॉन्च किया है - जो एक डिजिटल-फ़र्स्ट प्रोग्राम तथा फ्रीलांसरों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के कस्टमाइज़्ड उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करता है। गिग इकॉनमी व्हाइट-कॉलर पेशेवरों जैसे प्रबंधन सलाहकार, सॉफ़्टवेयर प्रोग्रामर और डिज़ाइनर, आर्किटेक्ट, निवेश सलाहकार से लेकर ग्रे कॉलर वर्कर तक फैली हुई है जो विशिष्ट व्यावसायिक/तकनीकी विशेषज्ञता रखते हैं ब्लू कॉलर और पिंक-कॉलर वर्कर जिसमें डिलीवरी पार्टनर तथा केयर गिवर भी गिग इकोनॉमी का हिसा है। एचडीएफसी बैंक की गिग बैंकिंग, स्टार्ट-अप और सरकारी एवं संस्थागत व्यवसाय की प्रमुख सुश्री सुनाली रोहरा ने कहा, हमें वित्तीय उत्पादों का एक व्यापक सेट लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है, जिसे विभिन्न फ्रीलांसर सेगमेंट की कई गुना ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमारे उत्पादों में एक विशेष बचत खाता, चालू खाता, डेबिट कार्ड, बहुत ही विशेष ऑफ़र वाले क्रेडिट कार्ड, 20 रुपये प्रतिदिन के लिए स्वास्थ्य बीमा और आकर्षक निवेश उत्पाद शामिल हैं ।

एमपॉवर ने एएमपी के शुभारंभ की घोषणा की

एथलीट प्रदर्शन को बढ़ाने वाला खेल मनोविज्ञान प्रभाग

एएमपी – एथलीट माइंड परफॉर्मेंस एथलीट के प्रदर्शन को बढ़ाएगा और मानसिक कंडीशनिंग और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें चैंपियनशिप स्तर की ओर ले जाएगा

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की मानसिक स्वास्थ्य सेवा पहल, एमपावर ने अपने नए वर्टिकल- एथलीट माइंड परफॉरमेंस (एएमपी) के लॉन्च की घोषणा की है।ऋक्क्ष्ठ्ठ, एएमपी व एमपावर की संस्थापक और चेयरपर्सन श्रीमती नीरजा बिरला के नेतृत्व में, एएमपी एथलीटों को उनके खेल को बदलने और चैंपियनशिप के स्तर तक पहुँचने में मदद करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लॉन्च के अवसर पर श्रीमती नीरजा बिरला और पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता श्री अभिनव बिंद्रा के बीच बातचीत हुई, जहां उन्होंने एथलीटों के लिए शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की।

इस पहल को सानिया मिर्जा, अभिनव बिंद्रा, अपर्णा पोपट, पुलेला गोपीचंद, सौरव गांगुली और अन्य जैसी दिग्गज खेल हस्तियों से भी मजबूत समर्थन मिला है, जिन्होंने ऐसे खेल माहौल की वकालत की है, जहां मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक सहनशक्ति और प्रशिक्षण के बराबर महत्व दिया जाता है। एएमपी लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए एमपावर व एबीईटी की संस्थापक और चेयरपर्सन श्रीमती नीरजा बिरला ने कहा, खेलों में मानसिक स्वास्थ्य सहायता की आवश्यकता बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एथलीट मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बहुत अधिक दबाव का सामना करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, खेलों में मानसिक सहनशक्ति विकसित करने की शक्ति को तेजी से पहचाना जा रहा है, मानसिक कंडीशनिंग को प्राथमिकता देने वाले एथलीट अक्सर उच्च प्रदर्शन में अग्रणी होते हैं। दीपिका कुमारी और नीरज चोपड़ा जैसे भारतीय एथलीट पहले ही मानसिक स्वास्थ्य और एथलेटिक सफलता के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर करना शुरू कर चुके हैं। मानसिक लचीलापन और तैयारी पर ध्यान केंद्रित करके, हमारा उद्देश्य एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने, अपने करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के लिए प्रशंसा जीतने में सहायता करना है।

फ़िल्म युध्रा में दिल जीत लेगा एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी का ऐक्शन–पैक्ड अंदाज़

मुंबई, एजेंसी। हिंदी सिनेमा का इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि ऐक्शन फ़िल्में हर दौर में बनती रही हैं और ऐसी फ़िल्मों और उनमें काम करने वाले ऐक्शन हीरोज़ को दर्शकों का खूब प्यार भी मिलता रहा है. जल्द रिलीज़ होने वाली फ़िल्म युध्रा भी एक अनूठे किस्म की ऐक्शन से भरपूर फ़िल्म है जिसमें एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी का गुस्सैल और सशक्त अंदाज़ देखने को मिलेगा. हाल ही में कास्ट और क्रू की मौजूदगी में फ़िल्म युध्रा का ट्रेलर मुम्बई में बड़े ही भव्य तरीके से लॉन्च किया गया. उल्लेखनीय है कि फ़िल्म के ऐक्शन-पैक्ड ट्रेलर को ख़ासा पसंद भी किया जा रहा है. ख़ास बात है कि फ़िल्म में युध्रा का टाइटल रोल निभा रहे हैं सिद्धांत चतुर्वेदी ने कुछ इस पावर-पैक्ड तरीके से ऐक्शन सीन्स को अंजाम दिया है कि लोग उनकी तारीफ़ करते हुए नहीं थक रहे हैं. ऐसे में फ़िल्म के ट्रेलर को मिल रहे प्यार से समझा जा सकता है कि लोग फ़िल्म देखने के लिए किस क़दर उत्साहित हैं.

'तनाव 2' के लिये सुधीर मिश्रा ने एक बार फिर कश्मीर में ही सोनी राज़दान के साथ 36 साल बाद काम किया

मुंबई , एजेंसी। सोनी लिव का एक्शन से भरपूर थ्रिलर 'तनाव' अपना दूसरा सीजन लेकर आ रहा है, जिसका लंबे समय से इंतजार था। इस सीरीज के कलाकार बेहतरीन हैं और इसे निर्देशक सुधीर मिश्रा ने बनाया है। गौरतलब है कि सुधीर फिल्म उद्योग के जाने-माने दिग्गज हैं। फिल्में बनाने और कहानियाँ कहने के अपने अलग तरीके को लेकर चर्चित सुधीर लगातार नई-नई कहानियां पेश करते हैं। वह सुनिश्चित करते हैं कि उनके हर प्रोजेक्ट में कुछ न कुछ हट के और दमदार हो। कैमरा के सामने और पीछे इतने दमदार मिश्रण के साथ 'तनाव 2' में उस दिलचस्प कहानी को यादगार तरीके से जारी रखा जाएगा, जो दर्शकों को बहुत पसंद आई थी।

निप्पॉन पेंट ने प्रवास 2024 में भारत के वाणिज्यिक वाहन उद्योग के लिए अनूठे पेंट सॉल्यूशंस प्रदर्शित किए

नई दिल्ली/ बेंगलूरू, एजेंसी। कारोबार के लिहाज से एशिया प्रशांत की नंबर 1 पेंट एवं कोटिंग कंपनी निप्पॉन पेंट ने बेंगलूरू में 29 से 31 अगस्त के बीच संपन्न भारत के मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट शो प्रवास 2024 में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम का चौथा संस्करण बस एंड कार ऑपरेटर्स कनफेडरेशन ऑफ इंडिया (बीओसीआई) द्वारा आयोजित किया गया। इस आयोजन में 100 से अधिक विशेषज्ञ वक्ताओं, 200 अग्रणी प्रदर्शकों और 10,000 कारोबारी आगंतुकों ने हिस्सा लिया।

आयोजन के दौरान, निप्पॉन पेंट ने विशेष रूप से वाणिज्यिक वाहन उद्योग के लिए डिजाइन किए अनूठे पेंट सॉल्यूशंस की व्यापक रेंज प्रदर्शित की। इनमें उत्सर्जन, हीट और धूल घटाने के साथ ही उत्पादकता को महत्तम स्तर पर ले जाने के लिए फंक्शनल कोटिंग शामिल था जिसमें कुछ पेटेंटशुदा उत्पादों की रेंज भी शामिल थी। कंपनी ने कलर करेक्शन और डेवपलमेंट के लिए विश्व की अग्रणी एआई टेक्नोलॉजी के साथ हाईटेक उत्पाद, पेंटिंग सिमुलेशन और ऑटोमेटेड रोबोटिक पेंट एप्लीकेशंस के लिए वीआर सॉफ्टवेयर भी प्रदर्शित किए।

इस आयोजन के जरिए इस कंपनी का मुख्य ध्येय यह प्रदर्शित करना था कि कैसे उसके पेंट सिस्टम्स वैश्विक टेक्नोलॉजी बेस का उपयोग कर भारत में परिवहन के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। निप्पॉन पेंट इंडिया के महाप्रबंधक (मार्केटिंग एवं नया कारोबार विकास) राकेश हांडू के मुताबिक, प्रवास 2024 ने विकसित भारत 2047 के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रभावी सार्वजनिक परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। इस आयोजन के दौरान हमने हमारी अत्याधुनिक पेंट टेक्नोलॉजीज़ प्रदर्शित की जो वाणिज्यिक वाहन उद्योग में क्रांति ला रही हैं। इस आयोजन में हमारा प्रतिभाग, ऐसे अनूठे समाधान पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है जो भारत में सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा, दक्षता और टिकाऊपन को बढ़ाए।

एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने एक नया फंड ऑफ़र लॉन्च किया

एचएसबीसी इंडिया एक्सपोर्ट ऑपर्चुनिटीज़ फंड

मुंबई, एजेंसी। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने एचएसबीसी इंडिया एक्सपोर्ट ऑपर्चुनिटीज़ फंड को लॉन्च करने की घोषणा की, जो निर्यात विषय के तहत एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना है। नया फंड ऑफर (एनएफओ) 05 सितंबर 2024 को खुलेगा और 19 सितंबर 2024 को बंद होगा ।

एचएसबीसी इंडिया एक्सपोर्ट ऑपर्चुनिटीज़ फंड (योजना) का लक्ष्य वस्तुओं या सेवाओं के निर्यात से जुड़ी या उससे लाभान्वित होने वाली कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों के सक्रिय रूप से प्रबंधित पोर्टफोलियो से लंबी अवधि की पूंजी वृद्धि उत्पन्न करना है। इस योजना में उन कंपनियों में निवेश करने की सुविधा है जो बाजार पूंजीकरण में निर्यात विषय का हिस्सा हैं जैसे कि- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। यह योजना निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) को ट्रैक करेगी।

इस योजना का प्रबंधन अभिषेक गुप्ता (इक्विटी), सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, इक्विटीज, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड और सोनल गुप्ता (ओवरसीज सिक्योरिटीज), हेड रिसर्च इक्विटीज, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड द्वारा किया जाएगा।

इसके लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, कैलाश कुलकर्णी, सीईओ, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, ने कहा, भारत सरकार का 2030 तक वार्षिक निर्यात में 2 ट्रिलियन हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कुशल श्रम में हमारी ताकत, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण पर ध्यान देने के साथ-साथ सुधार और प्रोत्साहन वैश्विक बाजारों में हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को बढ़ाते हैं। निर्यात देश के लिए हमेशा विकसित होने वाला अवसर है, व्यवसायों को उत्पादकता और दक्षता में सुधार करने में मदद करता है; और देश के लिए विदेशी मुद्रा भंडार बनाता है। कुल मिलाकर, भारत इस क्षमता का लाभ उठाने, आर्थिक विकास का समर्थन करने और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अच्छी स्थिति में है। वेणुगोपाल मंघट, सीआईओ-इक्विटी, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, ने कहा, स्टॉक्स का चयन व्यवसाय की मूलभूत बातों सहित कई मानदंडों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा, जिसमें उद्योग संरचना, साथियों के बीच सापेक्ष व्यावसायिक ताकत, प्रबंधन की गुणवत्ता, आर्थिक कारकों के प्रति संवेदनशीलता, कंपनी की वित्तीय ताकत, कमाई के प्रमुख चालक, और मूल्यांकन शामिल हैं।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन और युनिवर्सिटी ऑफ हडर्सफील्ड को भारत और ब्रिटेन में धरोहर डाकघर भवनों के भविष्य का अध्ययन करने के लिए 4 करोड़ रुपये अनुदान दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। रचनात्मक क्षेत्र में शिक्षा के लिए समर्पित भारत की पहली युनिवर्सिटी वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) को युनिवर्सिटी ऑफ हडर्सफील्ड (ब्रिटेन) के साथ गठबंधन में 4.4 करोड़ रुपये का अनुदान आर्ट्स एंड ह्युमैनिटीज़ रिसर्च कार्उसिल द्वारा प्रदान किया गया है। इस अनुदान का उद्देश्य एक नये ज्ञान और संस्कृति के आदान प्रदान का प्रसार करना है। इस परियोजना का लक्ष्य भारत और ब्रिटेन में डाक घर संस्कृति की जांच परख के लिए एक रचनात्मक स्थल आधारित स्कैनिंग दृष्टिकोण अपनाना और अंग्रेजों के जमाने की अत्याधुनिक वास्तुशिल्पीय प्रौद्योगिकी के पहलुओं का परीक्षण करना है जिससे यह पता लगाया जा सके कि भारत में डाकघर भवनों का भविष्य में कैसे उपयोग किया जा सकता है। यह परियोजना दिसंबर, 2026 तक चलेगी और इसमें लंदन का पोस्टल म्यूजियम और इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज भी शामिल होंगे।

आर्ट्स एंड ह्युमैनिटीज़ रिसर्च कार्उसिल (एएचआरसी) कला एवं मानविकी के क्षेत्र में शानदार मूल अनुसंधान के लिए रणनीतिक कोष उपलब्ध कराती है और यह दर्शन और रचनात्मक उद्योगों से लेकर कला संरक्षण और उत्पाद डिजाइन तक के विषयों में विश्वस्तरीय स्वतंत्र अनुसंधान का वित्त पोषण करती है। यह पहल आर्किटेक्चर में प्रोफेसर निक क्लियर और शालीन शर्मा, कल्चरल थ्योरी एंव प्रैक्टिस में रीडर रोवन बैले, आर्किटेक्चर के विद्यार्थियों और दोनों देशों से दक्षिण एशियाई समुदायो के बीच एक गठबंधन है।

इस घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी)के कुलपति डाक्टर संजय गुप्ता ने कहा, डब्लूयूडी में हम हमेशा से ही हमारे संस्थान और विश्व के संस्थानों के बीच गहरे संबंध और सांस्कृतिक आदान प्रदान की दिशा में काम करते रहे हैं। यह परियोजना भारत और ब्रिटेन के बीच अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक गठबंधन को बढ़ाएगा और भारत को रचनात्मक और सांस्कृतिक उद्योगों में एक नेता के तौर पर स्थापित करेगा। यह परियोजना ना केवल धरोहरों को संरक्षित करेगी, बल्कि पर्यटन, शहरी नवीकरण और वैश्विक सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ाएगी एवं इस सरकार के बहुआयामी विकास के विजन को सहयोग देगी। हम इस प्रतिष्ठित अनुदान के लिए चयनित होने पर गौरवान्वित हैं और इस गठबंधन पर आगे काम करने की आशा करते हुए वैश्विक समुदाय में सार्थक योगदान करने की उम्मीद करते हैं। यह परियोजना ना केवल हमारे विद्यार्थियो का अकादमिक अनुभव समृद्ध करेगी, बल्कि वैश्विक दृष्टिकोण और ज्ञान को साझा करने को भी प्रोत्साहित करेगी।

सैमसंग ने एडवांस्ड एआई फीचर्स के साथ अपनी बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत में अपनी नई बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की। रेफ्रिजरेटर की नई सीरीज शानदार डिजाइन और कई एआई फीचर्स से लैस है। इन फीचर्स में स्मार्टथिंग्स एआई एनर्जी मोड, स्मार्टथिंग्स होम केयर और स्मार्ट फॉरवर्ड, कन्वर्टिबल 5-इन-1, ट्विन कूलिंग प्लसङ्ग और एक्टिव फ्रेश फिल्टर+ शामिल हैं। ये रेफ्रिजरेटर्स भारतीय उपभोक्ताओं की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करेंगे। सैमसंग बीस्पोक एआई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज ग्लास और स्टील फिनिश में कई विकल्पों, ब्लैक ग्लास, ब्लैक मैट, लक्ज़ ब्लैक, एलिगेंट आइनॉक्स और रिफाइंड आइनॉक्स में मौजूद है, जिसमें आप अपने पसंदीदा रेफ्रिजरेटर का चुनाव कर सकते हैं। सैमसंग की नई बीस्पोक आई डबल डोर रेफ्रिजरेटर सीरीज तीन साइज- 396 लीटर, 419 लीटर और 465 लीटर में उपलब्ध होगी। 64990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध रेफ्रिजरेटर में उपभोक्ताओं को बड़ी स्टोरेज क्षमता, सुविधा और लचीलापन मिलेगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने भोपाल से ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 2024 के क्षेत्रीय विजेता की घोषणा की

भोपाल। भारत में अग्रणी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने भोपाल में आयोजित अपने ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 2024 के क्षेत्रीय दौर के विजेताओं की घोषणा की है। ये विजेता, कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया (केसीसी) के सहयोग से भोपाल क्षेत्र के लिए आयोजित ऑनलाइन ऑडिशन से चुने गए थे।

भोपाल के क्षेत्रीय विजेताओं ने अपनी असाधारण प्रस्तुतियों से न केवल जजों बल्कि दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। वोकल्स श्रेणी में, हनी और विभूति लाल ने अपनी बेमिसाल गायन प्रतिभा और के-पॉप शैली के प्रति गहरे जुड़ाव के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। ट्रैवर्स ने अपने जोशीले डांस मूव्स से डांस श्रेणी में जीत हासिल की, जो के-पॉप की भावना को पूरी तरह से अभिव्यक्त कर रहे थे। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया के सहयोग से ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 2024 के तीसरे संस्करण का आयोजन किया है, जिसका उद्देश्य पूरे देश से कोरियाई पॉप संस्कृति के समर्पित प्रशंसकों की खोज करना है। इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण दौर में 10,500 पंजीकरण पूरे हुए, जो कि के-पॉप के शौकीनों के लिए एक रोमांचक यात्रा का दूसरा चरण है।

27 जुलाई से 1 सितंबर के बीच भारत के 11 क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रारंभिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। बेंगलुरु, कोहिमा, कोलकाता, मुंबई, ईटानगर, चेन्नई और दिल्ली में सफल प्रारंभिक दौर के बाद, भोपाल में क्षेत्रीय राउंड आयोजित किया गया। इन क्षेत्रीय दौर के विजेता दिल्ली में होने वाले सेमीफाइनल में हिस्सा लेंगे।

इस बारे में टिप्पणी करते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक हांग जू जियोन ने कहा, हम भारतीय युवाओं के बीच के-पॉप के प्रति असीमित प्रतिभा और जुनून देखकर रोमांचित हैं। एलजी द्वारा प्रस्तुत ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 2024 एक विशाल मंच के रूप में विकसित हो चुका है ।

खास खबर

राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में आएंगे नजर, इस टीम के मुख्य कोच बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनने जा रहे हैं। जून में बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद ब्रेक लेने वाले द्रविड़ इस साल के आखिर में होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन जैसे अहम मसलों पर काम करना शुरू करेंगे। एक सूत्र ने बताया, 'बातचीत आखिरी चरण में है और वह जल्दी ही मुख्य कोच का पद संभालेंगे। पिछले तीन साल से रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक पद पर काबिज कुमार संगकारा इस भूमिका में बने रहेंगे। द्रविड़ 2012 और 2013 में रॉयल्स के कप्तान थे और दो साल मेंटोर भी रहे। इसके बाद वह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े और बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख रहे। द्रविड़ 2021 में एनसीए से निकलकर रवि शास्त्री की जगह भारतीय टीम के मुख्य कोच बने। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार द्रविड़ के कार्यकाल में भारत के बल्लेबाजी कोच रहे विक्रम राठौड़ रॉयल्स के सहायक कोच बन सकते हैं।

विश्व चैंपियन सचिन ने पैरा ओलंपिक में जीता सिल्वर पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारत के सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने बुधवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्धा में 16.32 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड दूरी के साथ अपने पैरालिंपिक रजत को विश्व खिताब में जोड़ा। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे प्रयास में दिन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल किया और 16.30 मीटर के अपने पहले के एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने मई में जापान में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतते हुए बनाया था।

कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38 मीटर के थ्रो के साथ अपने टोक्यो पैरालिंपिक स्वर्ण का बचाव किया। क्रोएशिया के लुका बाकोविच ने 16.27 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। खिलाड़ी का रजत मौजूदा खेलों में पैरा-एथलेटिक्स से 11वां पदक है। उन्होंने पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ46 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनकी भुजाओं में कमजोरी है, मांसपेशियों की शक्ति क्षीण है या भुजाओं में निष्क्रिय गति की सीमा क्षीण है, तथा एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2024

लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करने वाले ऋषभ पंत पर होगी नजरें

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होंगे।

पंत ने चोटों से उबरने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी की लेकिन वह अभी तक लंबी अवधि के प्रारूप में नहीं खेले हैं। उन्होंने लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन यह चार दिवसीय टूर्नामेंट उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश करेगा क्योंकि उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबा समय मैदान पर बिताना पड़ सकता है। पंत को टीम बी का

विशेषज्ञ विकेटकीपर नियुक्त किया गया है जिससे पता चलता है कि भारत के टेस्ट क्रिकेट में आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इस विकेटकीपर बल्लेबाज की वापसी को लेकर कितनी गंभीर है।

चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पदार्पण श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है।

चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सिराज अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे जबकि शमी अभी ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में चयनकर्ता बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप पर पैनी नजर रखेंगे। इनके अलावा अर्शदीप सिंह, अवेश खान, खलील अहमद, विदवथ कावेरप्पा, वैसाख विजयकुमार और हर्षित राणा भी चयन समिति को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं :

- **भारत ए** – शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा , कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत।
- **भारत बी** – अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन।
- **भारत सी** – रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल, संदीप वारियर।
- **भारत डी** – श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, इशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत, सौरभ कुमार।
- **मैच का सुबह**–9.30 बजे से।

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह ने युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए एक विशेष वीडियो साझा किया। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सर अभिषेक, उम्मीद है कि आप इस साल जितने सिंगल्स लेंगे, उतने ही आप पार्क से बाहर भी मारेंगे। कड़ी मेहनत करते रहें! ढेर सारा प्यार और आने वाले बेहतरीन साल के लिए शुभकामनाएं!

वीडियो में युवराज अभिषेक को प्रशिक्षण देते हुए दिखाई दे रहे हैं जिसमें युवा क्रिकेटर के प्रभावशाली कौशल को दिखाया गया है। वह आत्मविश्वास के साथ स्पिनरों का सामना कर रहे हैं और उन्हें मैदान के सभी हिस्सों में मार रहे हैं। वीडियो में युवराज द्वारा अभिषेक को दी गई सलाह को दर्शाया गया है, जिससे उन्हें अपनी तकनीक को निखारने और एक खिलाड़ी के रूप में विकसित होने में मदद मिली है।

युवराज का संदेश और अभिषेक के जन्मदिन पर प्रशिक्षण वीडियो दोनों खिलाड़ियों के बीच के बंधन को दर्शाता है और युवराज द्वारा उभरते सितारे में देखी गई संभावनाओं को रेखांकित करता है। अभिषेक शर्मा ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में शतक बनाया था और अपने क्रिकेट करियर में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। अपने टी20 करियर की खराब शुरुआत को झेलने के बाद अभिषेक ने बल्ले से अपना असली रंग दिखाया। अपने डेब्यू मैच में चार गेंदों पर शून्य पर आउट होने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने वापसी की और दूसरे टी20 मैच में तेज शतक बनाया।

रोहित शर्मा ने फैसला कर लिया, आईपीएल 2025 में इस टीम से खेलेंगे 'हिटमैन'!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले एक खिलाड़ी जो सबसे ज्यादा चर्चा में है. ये कोई और नहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा हैं. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है पिछले सीजन में हुआ कप्तानी विवाद. हार्दिक पंड्या और रोहित शर्मा के बीच जो कुछ हुआ, उसके बाद फैंस ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि रोहित शर्मा इस बार मुंबई इंडियंस में ही रहेंगे या किसी और टीम की ओर रुख करेंगे. पिछले

सीजन से ही ऐसी कई रिपोर्ट्स सामने आ चुकी हैं कि रोहित मुंबई को छोड़कर दूसरी टीम का दामन थाम लेंगे. हालांकि, अब उन्हें लेकर एक नया दावा किया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी के साथ उनका सारा विवाद सुलझ गया है. नीता अंबानी की फ्रेंचाइजी ने अपने पूर्व कप्तान को रिटेन करने पर मुहर लगा दी है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बाबर आजम पांच साल में पहली बार शीर्ष 10 से बाहर

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ लगातार असफलताओं के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए हैं। दिसंबर 2019 के बाद पहली बार बाबर शीर्ष 10 से बाहर हुए हैं, जब वे 13वें स्थान पर थे। बाबर की गिरावट के बाद शीर्ष 10 में पाकिस्तान के एकमात्र बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बाबर आजम चार पारियों में सिर्फ 64 रन बना पाए। घरेलू मैदान पर 2-0 से करारी हार के बाद पाकिस्तान आईसीसी की नई टेस्ट रैंकिंग में 8वें स्थान पर खिसक गया। पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में बाबर का संघर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने दिसंबर 2022 के बाद से कोई शतक नहीं बनाया है और लाल गेंद के प्रारूप में अपनी पिछली 16 पारियों में एक भी अर्धशतक दर्ज करने में विफल रहे हैं।

29 वर्षीय खिलाड़ी की खराब फॉर्म ने पाकिस्तान के घरेलू प्रदर्शन को प्रतिबिंबित किया है, जिसमें टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से हार गई, जो टाइगर्स के खिलाफ उनकी पहली टेस्ट हार थी। दूसरे टेस्ट मैच में, पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 26/6 पर झकझोर दिया, लेकिन मौके का फायदा उठाने में असमर्थ रहे

जिससे बांग्लादेश ने मैच पर नियंत्रण कर लिया।

बल्लेबाजी चार्ट में इंग्लैंड के जो रूट का दबदबा कायम है। रूट के 922 रैंकिंग पॉइंट हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 63 ज़्यादा हैं। रूट के पास अपना खुद का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है जो जुलाई 2022 में भारत के खिलाफ एजबेस्टन में शतक लगाने के बाद हासिल की गई 923 रेटिंग से सिर्फ एक अंक दूर है। श्रीलंका के खिलाफ रूट शानदार फॉर्म में हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की प्रत्येक पारी में दो शतकों के साथ रूट ने टेस्ट में सबसे ज़्यादा शतकों का नया ऑल-टाइम इंग्लैंड रिकॉर्ड बनाते हुए एलेस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया। रूट ने अपने अंकों की संख्या 34 तक पहुंचाई।

न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के हैरी ब्रूक शीर्ष 5 में शामिल हैं। रोहित शर्मा छठे स्थान पर शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं, उनके बाद यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली क्रमशः 7वें और 8वें स्थान पर हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाजों के पास 19 सितंबर से घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने रेटिंग अंक बढ़ाने का मौका है।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग - 4 सितंबर तक

1. जो रूट - 922 रेटिंग अंक
2. केन विलियमसन - 859
3. डेरिल मिशेल - 768
4. स्टीव स्मिथ - 757
5. हैरी ब्रूक - 753
6. रोहित शर्मा - 751
7. यशस्वी जायसवाल - 740
8. विराट कोहली - 737
9. उस्मान ख्वाजा - 728
10. मोहम्मद रिजवान - 720

बांग्लादेश से हार पड़ी भारी

1965 के बाद पहली बार सबसे निचले स्तर पर पहुंची पाकिस्तान टेस्ट टीम

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट श्रृंखला गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है।

वेबसाइट के अनुसार, 'पाकिस्तान की टीम श्रृंखला से पहले छठे स्थान पर थी लेकिन लगातार हार के कारण वह वेस्टइंडीज से नीचे आठवें स्थान पर पहुंच गई है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद पहली बार इतने कम रेटिंग अंकों पर पहुंचा है। बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नौवें स्थान पर बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में उसको फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

पैराओलंपिक-2024 : ऊंची कूद स्पर्धा में शरद का लगातार दूसरा पदक, मरियप्पन ने रचा इतिहास

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय एथलीट शरद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत और मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक जीता। मंगलवार देर रात हुई स्पर्धा में शरद कुमार ने ऊंची कूद टी63 के फाइनल में मुकाबले में 1.88 मीटर की छलांग लगाकर पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता।

यह शरद कुमार का दूसरा पैरालंपिक पदक था। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में 1.83 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था। अमेरिका के एजरा फ्रेच ने 1.94 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मरियप्पन थंगावेलु ने ऊंची कूद टी63 के फाइनल में 1.85 मीटर की छलांग लगाते हुए कांस्य पदक जीता। इसी के साथ वह लगातार तीन खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा-एथलीट बन गए है। उन्होंने रियो 2016 में 1.89 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक और टोक्यो 2020 में 1.86 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता था।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा

उत्तर प्रदेश में बनेंगे 18 फुटबॉल स्टेडियम और 827 फुटबॉल मैदान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के 18 कमिश्नरेट में 18 फुटबॉल स्टेडियम बनाने की योजना की घोषणा की है। इस खूबसूरत खेल को और बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्याप्त फुटबॉल सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में हर ब्लॉक में 827 फुटबॉल मैदान भी तैयार किए जाएंगे जिससे अधिक टूर्नामेंटों की मेजबानी को बढ़ावा मिलेगा।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने लखनऊ में डर्बी मैच से पहले मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कहा, 8 अगस्त को मुझे आपसे (यूपी के सीएम) मिलने का सौभाग्य मिला। फुटबॉल के प्रति आपके प्यार और समर्पण को महसूस करने के बाद, मैंने आपसे एक अनुरोध किया। मैंने कहा कि अगर डर्बी जैसा मैच लखनऊ में खेला जाता है, तो यह यूपी में फुटबॉल के विकास में मदद करेगा। लेकिन मैच की मेजबानी के लिए एक अच्छा स्टेडियम होना एक समस्या हो सकती है। लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि यूपी सरकार ने इस बड़े अवसर के लिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम का जीर्णोद्धार करने में केवल 19 दिन लगाए। यह लखनऊ शहर के हर फुटबॉल प्रेमी के लिए बहुत खुशी की बात है।

सोमवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम ने लखनऊ में अपनी पहली कोलकाता डर्बी की मेजबानी की, जो ऐतिहासिक थी क्योंकि मोहन बागान सुपर जायंट ने पेनल्टी पर ईस्ट बंगाल एफसी को 1(3)-1(2) से हराया। स्टेडियम में जनता को संबोधित करते हुए यूपी के सीएम ने कहा, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि यह प्रतिष्ठित मैच पहली बार हमारे राज्य की राजधानी लखनऊ में खेला जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित खेलो इंडिया पहल भारत में खेलों का एक प्रमुख चालक रही है और उनके विजन से प्रेरित होकर, यूपी ने खुद को इस मिशन के साथ जोड़ लिया है।

उन्होंने कहा, जब मैं तीन सप्ताह पहले श्री चौबे से मिला था तो उन्होंने उत्तर प्रदेश में फुटबॉल को लोकप्रिय बनाने के लिए एक मंच की इच्छा जताई थी और कहा था कि अगर खेल को सरकार का समर्थन मिले तो इस प्रक्रिया को तेज किया जा सकता है।

अजीत ने भाला फेंक स्पर्धा में रजत और सुंदर ने जीता कांस्य पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय एथलीट अजीत सिंह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक की भाला फेंक एफ46 वर्ग की स्पर्धा में रजत पदक और हमवतन सुंदर सिंह गुर्जर ने कांस्य पदक जीता। मंगलवार देर रात हुए मुकाबले में अजीत सिंह ने 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के दौरान सुंदर सिंह गुर्जर 64.96 मीटर के अपने चौथे थ्रो के बाद दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अजीत सिंह ने वापसी करते 65.62 मीटर का थ्रो करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। मुकाबले के बाद अजीत ने कहा, 'मैंने टोक्यो (2020) में पैरालंपिक में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था, इसलिए इस बार मैंने पदक पर ध्यान केंद्रित किया उसके रंग के पदक पर नहीं। उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान स्वर्ण पर नहीं था, मैं बस कोई भी पदक जीतना चाहता था, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले वर्ष विश्व चैंपियन था, लेकिन इस साल कोबे में विश्व चैंपियनशिप में मुझे केवल कांस्य पदक मिला। मैं उस समय अच्छी स्थिति में नहीं था, क्योंकि मेरा ध्यान पेरिस (2024) के लिए तैयार होने पर था। उन्होंने कहा, 'तो इस एक रजत पदक का मतलब सबकुछ है। अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यहां मैं एक पदक जीतना चाहता था और रजत पदक बहुत अच्छा है।

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

खूब खेलो... खूब बढ़ो

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो

डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के

बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा चार बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है। वर्तमान में भारत ही विश्व विजेता है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई। इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

पिट्टू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

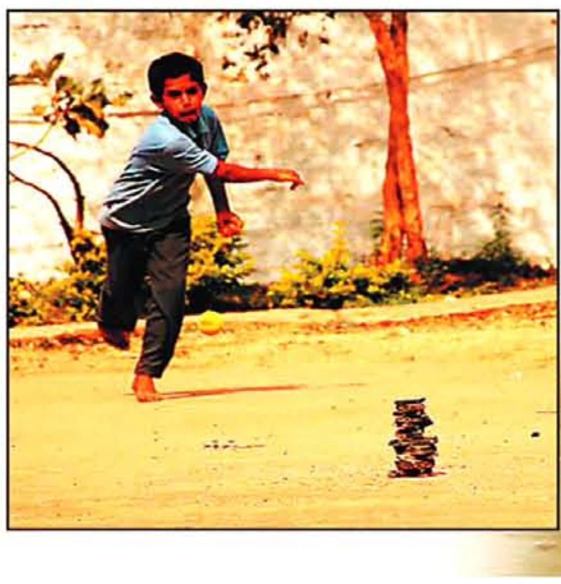

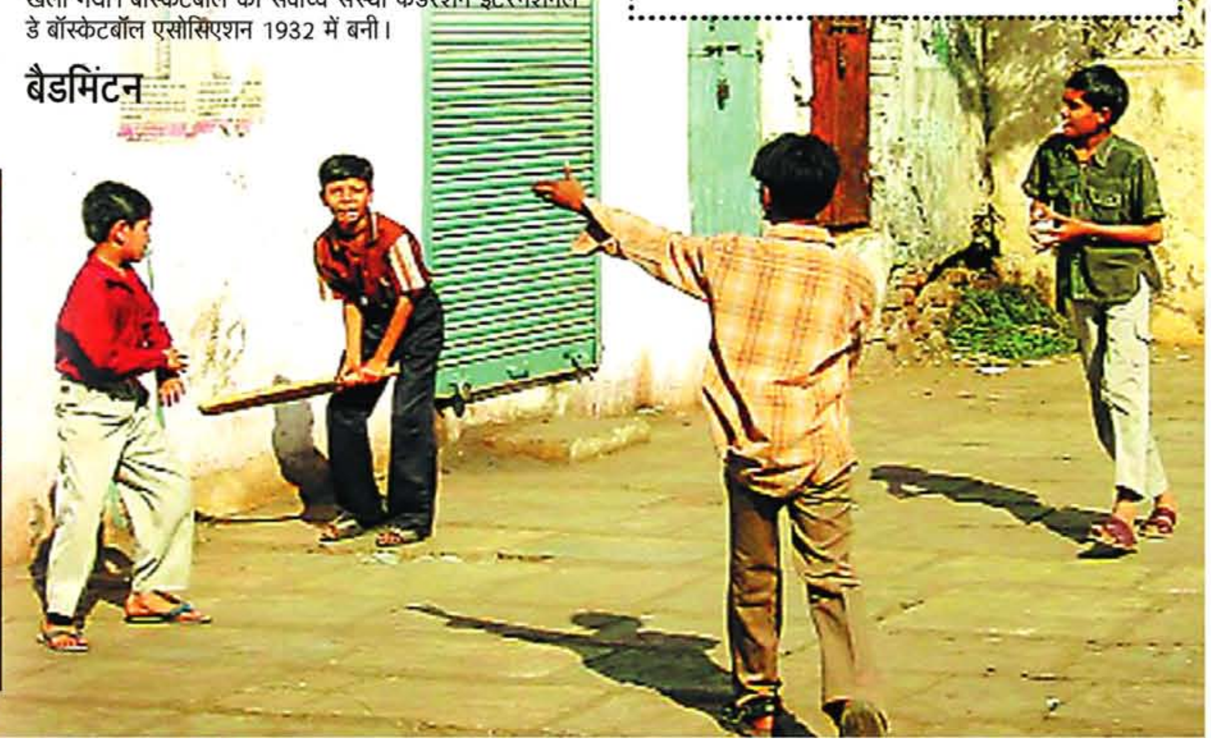

दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में हाल ही में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा।

वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।'

माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आडटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

चाहत खन्ना ने बड़े अच्छे लगते हैं, कुबूल है, थैंक-यू और प्रस्थानम जैसे टीवी शो और फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। अपने काम को लेकर चूजी ऐक्ट्रेस दस में एक-दो प्रोजेक्ट को ही हां बोलती हैं क्योंकि अब वह क्वॉलिटी वर्क करना चाहती हैं। वह जितनी तवज्जो काम को देती हैं, उतना ही ध्यान बेटी की पैरंट्स टीजर मीटिंग पर भी देती हैं। यही वजह है कि जिंदगी के व्यस्त शेड्यूल के बावजूद उन्होंने बेटी की एक भी पीटीएम आज तक मिस नहीं की। इन दिनों वह पति, पत्नी और कांड को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने पहले फोन की यादों से लेकर डांसिंग, ऐक्टिंग और राइटिंग के बारे में बातचीत की।

वर्दी पहनकर रोंगटे खड़े हो गए थे

पति, पत्नी और कांड में मैं डीसीपी की भूमिका में हूं। असल जिंदगी में कई पुलिसवालों से मेरी दोस्ती है। नेता और वकीलों के साथ भी उठना-बैठना है। सच कहूं तो वर्दी पहनने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैंने कभी सोचा नहीं था कि कॉप का किरदार निभाऊंगी। आप जब वर्दी पहनते हैं, तब पता चलता है कि इस किरदार में करने के लिए क्या-क्या चीजें हैं। मैं सीरीज में ऐक्शन भी कर रही हूं, जिसमें शूटआउट से लेकर एनकाउंटर तक है। मैंने मार्शल आर्ट्स सीखा था। उस दौरान मुझे नहीं लगता था कि यह मेरे करियर के लिए फायदेमंद साबित होगा, लेकिन इसमें उसकी भी जरूरत पड़ गई।

दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं

आपने स्क्रीन पर मुझे बहुत कम देखा होगा। जितने ऑफर स्वीकार करती हूं, उससे ज्यादा नकार देती हूं। एक ही किरदार बार-बार ऑफर होता है तो गुस्सा आता है। इसी वजह से दस में से एक-दो प्रोजेक्ट ही चुनती हूं। शुरुआत में सबकुछ करना चाहती थी लेकिन पिछले एक दशक से क्वॉलिटी वर्क पर ध्यान दे रही हूं। कई बार रिलीज के बाद काम उतना निखरकर नहीं आता या उसको फेम नहीं मिलता। हालांकि, बतौर कलाकार आप संतुष्ट रहते हैं कि अच्छा काम किया। हिट होना, ना होना प्रोजेक्ट की किस्मत है।

50 की उम्र का अनुभव 30 में ही कर लिया

हां, यह सच है कि लोगों ने मुझसे सोशल मीडिया पर बच्चों की फोटोज डालने को मना किया था। इस तरह की बातों पर मुझे अपनी मां की दी हुई सीख याद आती है। ये सच है कि सुनो सबकी करो अपनी। मैं उसी बात को फॉलो करती आ रही हूं। हालांकि, कभी-कभी भूल जाती हूं लेकिन फिर मां की बात याद आ जाती है। मां तो मां ही होती है। उन्हें लगता है कि मैंने जीवन में बहुत संघर्ष किया है लेकिन मैं ऐसा नहीं मानती, मुझे लगता है कि संघर्ष आगे करना है और करते रहना है। मेरा करियर जल्दी शुरू हो गया था। इस वजह से जो लोग 50 साल की उम्र में देखते-सीखते हैं, मैंने 30 में ही कर लिया था।

बचपन से ही लिखने का शौक रहा

टीवी इंडस्ट्री से मैं पिछले काफी समय से दूर हूं। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि मैं टीवी, फिल्म या ओटीटी के लिए काम कर रही हूं। अगर मुझे काम से संतुष्टि मिलती है तो मैं स्टेज पर भी परफॉर्म करने के लिए तैयार हूं। इन दिनों मैं थिएटर भी कर रही हूं और आगे नाटकों का निर्देशन भी करने की इच्छा है। ऐक्टर से पहले मैं राइटर थी। मुझे बचपन से ही लिखने का शौक रहा है। मैंने कई सारी स्क्रिप्ट लिख रखी हैं लेकिन अभी तक कुछ भी डायरेक्ट नहीं किया है। जल्द ही लोगों के सामने कुछ नया लेकर आऊंगी।

हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म को लेकर बोले राजकुमार राव, भेड़िया 2 या स्त्री 3

राजकुमार राव इन दिनों अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। वहीं लोग उनसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं, स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म कौन-सी होगी? क्योंकि 'स्त्री 2' के खत्म होने के बाद 2 पोस्ट क्रेडिट सीन्स दिखाए गए हैं। एक वरुण धवन से जुड़ा हुआ है और एक अक्षय कुमार से। ऐसे इंटरव्यू के दौरान, राजकुमार से पूछा गया कि स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म 'भेड़िया 2' होगी या फिर 'स्त्री 3'?

राजकुमार राव ने पहले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता है। लेकिन फिर उन्होंने कहा कि शायद 'भेड़िया 2' पहले आएगी। उन्होंने इसके पीछे का कारण समझाते हुए कहा, 'स्त्री' का दूसरा पार्ट आ चुका है, लेकिन 'भेड़िया' का दूसरा पार्ट अभी तक नहीं आया है। ऐसे में 'स्त्री' के तीसरे पार्ट से पहले वरुण धवन की हॉरर कॉमेडी फिल्म का सीक्वल आ सकता है। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें 'स्त्री 3' के बारे में कोई जानकारी है? तब उन्होंने कहा, 'बनेगी, जरूर बनेगी और कोशिश करेंगे कि 'स्त्री 3', 'स्त्री 1' और 'स्त्री 2' से भी बेहतर बने। फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के पास एक आइडिया है। उन्होंने फिल्म की बेसिक स्टोरी भी तैयार कर ली है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्त्री 2' ने 18 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस से 480.05 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 680 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

सामाजिक मुद्दों को लेकर आयुष्मान ने रखी अपनी राय

आयुष्मान खुराना इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्हें उनके बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए काफी पसंद किया जाता है। अभिनेता ने अपनी फिल्मों के जरिए ये साबित भी किया है। उनकी फिल्मों में अक्सर समाज के लिए एक संदेश होता है। हाल में ही अभिनेता एक बयान दिया है, जिस पर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि वह एक कार्यकर्ता नहीं हैं, लेकिन लोग उनसे अपेक्षा करते हैं कि वो हर मुद्दे पर अपनी राय जाहिर करें। आयुष्मान अक्सर पर्दे पर ऐसी भूमिकाएं करते हैं, जिनमें वह किसी सामाजिक मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित कराते हैं। हाल में ही वह दिल्ली में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर अपनी सक्रियता और समाज में एक कलाकार की भूमिका को लेकर बात की। उन्होंने कहा,मैं एक कार्यकर्ता नहीं हूं, मैं एक अभिनेता और एक कलाकार हूं। मुझे जो कुछ भी कहना है, मैं अपनी कविता, संगीत या फिल्मों के माध्यम से कहता हूं। अभिनेता ने आगे कहा एक अभिनेता या कलाकार से लगातार उनकी राय जाहिर करने की अपेक्षा करना थोड़ा भोलापन है। अभिनेता ने आगे कहा कि कलाकारों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता अक्सर बौद्धिक बुद्धिमत्ता से बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, हम भावनाओं से निपटते हैं, हम भावनाओं को बेचते हैं, हम भावनाओं का निर्माण करते हैं और यही हमारा मुख्य काम है, लेकिन साथ ही मैं एक सामाजिक रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाने की सर्वश्रेष्ठ कोशिश करता हूं।

सलमान खान-एटली की फिल्म पर लगी मुहर

जवान के बाद एटली के फैंस को उनकी नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में यह खबर सामने आई थी कि वह अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान से बातचीत कर रहे हैं। तब मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो हीरो वाली फिल्म की स्टोरीलाइन और आइडिया भाईजान को काफी पसंद आया था। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। खबरों की मानें तो सलमान को फिल्म की पटकथा बहुत पसंद आई है और उन्होंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी है। फिलहाल, इस फिल्म में सलमान का किरदार कैसा होगा इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो सलमान खुद इस फिल्म के लिए कमल हासन से बात कर रहे हैं। यह एटली की छठी फिल्म है। इसलिए इसे ए6 कहा जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो निर्देशक इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अक्तूबर के महीने से शुरू करना चाहते हैं। निर्माताओं का प्लान है कि पहले इस फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया जाए। उसके बाद से फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से शुरू की जाए। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान इस समय एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बन रही फिल्म सिकंदर में काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले हो रहा है। इसमें रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है। सलमान को आखिरी बार टाइगर 3 में देखा गया था। एक्शन से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया था। फिल्म में शाहरुख खान भी पठान के रूप में कैमियो करते हुए नजर आए थे।

अक्टूबर में होगी अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग, शामिल होंगे संजय

इन दिनों अजय देवगन अपनी आगामी कॉमेडी-एक्शन फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 से शुरू होगी। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय दत्त के भी शामिल होने की बात सामने आई है। फिल्म सन ऑफ सरदार ने साल 2012 को रिलीज के बाद सिनेमाघरों में जमकर कमाई की थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट आ रहा है, जिसकी शूटिंग इस साल अक्टूबर के महीने में पंजाब में शुरू की जाएगी। वहीं माडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त अक्टूबर 2024 में पंजाब में शूटिंग शुरू करने के लिए अजय देवगन और कलाकारों के साथ शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीजा संबंधी समस्याओं के कारण संजय को यूके की शूटिंग से बाहर होना पड़ा, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं, लेकिन उनकी भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण होगी। प्रशंसक अजय और संजय की शानदार जोड़ी को फिर से स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सन ऑफ सरदार 2 पिछले पार्ट से जुड़ा हुआ नहीं होगा। इसमें बिहारी और पंजाबी डॉन के बीच एक गैंगवार भी शामिल होगा। इसके अलावा, रवि किशन का मूल किरदार, जो पहले विजय राज को सौंपा गया था, अब संजय मिश्रा के लिए फाइनल किया गया है। संजय पहले पार्ट की तरह ही डॉन की भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी में गहराई और रोमांच जोड़ेंगे। फिल्म की शूटिंग फिलहाल यूके में चल रही है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं।

मिर्जापुर 3 को मिली प्रतिक्रियाओं पर बोलीं रसिका

मिर्जापुर अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे लोकप्रिय भारतीय वेब सीरीज में से एक है। दर्शकों के द्वारा इसके पहले और दूसरे सीजन को काफी ज्यादा प्यार मिला था। इसके बाद इस सीरीज का तीसरा सीजन भी इस साल प्रीमियर हुआ। हालांकि, पहले दो सीजन के मुकाबले तीसरे सीजन को दर्शकों से उतना ज्यादा प्यार नहीं मिला। इस पर सीरीज में अहम किरदार में नजर आई अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हाल में ही अपने विचार साझा किए हैं।

मिर्जापुर 3 को मिली है मिश्रित प्रतिक्रिया

मिर्जापुर में एक से बढ़कर सितारों की लंबी-चौड़ी सूची रही है। अली फजल, पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा आदि कलाकारों के अभिनय से सजी इस सीरीज में रसिका दुग्गल भी बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आई। इस साल रिलीज हुए तीसरे सीजन में भी उन्होंने अपने किरदार को आगे बढ़ाया। इस सीजन से दर्शकों को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन शो को दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है

दूसरे सीजन की रिलीज के लगभग चार साल के लंबे अंतराल पर इसका तीसरा सीजन रिलीज किया गया था। रसिका दुग्गल ने शो को मिले मिश्रित प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए कहा कि इस शो के फैंस काफी प्रतिबद्ध हैं, शो के तीन सीजन देखने और सराहने के बाद ये शो दर्शकों का भी उतना ही है, जितना उनका है। उन्होंने कहा, दर्शको ने सीजन 3 को पसंद किया है और कुछ ने टिप्पणी की है कि यह उनकी अपेक्षा से कैसे अलग था। मुझे लगता है कि हर तरह की प्रतिक्रिया अच्छी और स्वागत योग्य है।

पिछले महीने ही अमेजन प्राइम इंडिया ने रसिका और अली फजल की कुछ तस्वीरें जारी की थीं। इन तस्वीरों ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। लोग कयास लगाने लगे थे कि इसके आने वाले सीजन में निर्माता जरूर कुछ नया प्लान कर रहे हैं। इस पर बात करते हुए रसिका ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें अच्छा लगता है कि मिर्जापुर से जुड़ा हर पोस्ट इस शो को लेकर एक नई चर्चा को जन्म देता है। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगता है कि मिर्ज़ापुर के बारे में हर पोस्ट आने वाले समय के बारे में बातचीत को बढ़ावा देती है। हमारे पास सबसे अच्छे दर्शक है। इन तस्वीरों का उद्देश्य गुड्डू-बीना के रिश्ते को अब तक के स्टाइलिश रूप में पेश करना था।

सूर्या ने किया खुलासा - अपनी तय तारीख पर रिलीज नहीं होगी कंगुवा

सूर्या स्टारर फिल्म कंगुवा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। मगर इसे लेकर दर्शकों का उत्साह थोड़ा कम हो सकता है, क्योंकि ये फिल्म अब अपनी रिलीज से आगे खिसका दी गई है। हालांकि, इसकी नई रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई खुलासा नहीं किया गया है। जल्द ही मेकर्स दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए घोषणा कंगुवा की नई रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। सूर्या ने खुद इस खबर की पुष्टि करते हुए इसके पीछे की वजह बताई है। दरअसल, कंगुवा और रजनीकांत की वेट्टैयन 10 अक्टूबर को एक ही तारीख पर दस्तक देने वाली थीं। मगर रजनीकांत की फिल्म के चलते कंगुवा ने फिल्म की रिलीज स्थगित कर दी है। सूर्या ने फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बताया कि रजनीकांत उनसे वरिष्ठ हैं, इसलिए निर्माताओं ने रिलीज को स्थगित करने और वेट्टैयन के लिए रास्ता बनाने का फैसला किया है। अपने भाई कार्थी की फिल्म मैयाझागन के ऑडियो लॉन्च पर बोलते हुए सूर्या ने कहा, ढाई साल से भी ज्यादा समय से 1000 से ज्यादा लोगों ने तमिल सिनेमा में एक खास फिल्म पेश करने के लिए कांगुवा के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की है। मुझे यकीन है कि आप वो प्यार और सम्मान देंगे। जब वो आएगा, तो उसे सब कुछ मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 10 अक्टूबर को वेट्टैयन आ रही है। हमें सम्मान के लिए फिल्म को आगे बढ़ाना चाहिए।

सफाई न मिलने पर 3 एजेंसियों पर 11 लाख का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने

नोएडा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उन्हें कई जगहों पर व्यवस्थाएं सही नहीं मिली। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए तीन कार्यदायी संस्थाओं पर 11 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया।

एसीईओ ने नोएडा क्षेत्र के उद्योग मार्ग, ग्राम झुण्डपुरा सेक्टर-11, जोनल रोड नंबर-6 खोड़ा रोड, सैक्टर-55, 58, 62 एवं एमपी-3 मार्ग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसीईओ को उद्योग मार्ग सेक्टर-8 के मार्ग पर गंदी मिली। जिसको तत्काल साफ कराने को निर्देशित किया। इसी तरह एमपी-3 मार्ग पर सेक्टर-71 अण्डरपास के निकट ग्राम बसई के पास एवं पर्थला फ्लाईओवर के पास अत्यधिक गन्दगी एवं बड़ी-बड़ी घास उगी हुई पायी गयी। जिसकी गत दिनों से सफाई नहीं की गयी थी। इस कार्य में लापरवाही बरतने पर उन्होंने संबंधित एजेन्सी मैसर्स लॉयन सर्विसस पर 5 लाख रुपए का अर्थदण्ड लगाने का निर्देश जारी किया।

सेक्टर-71 में निरीक्षण के दौरान नालों की सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले में गन्दगी एवं फ्लोटिंग मैटेरियल पाया गया। इस पर संबंधित एजेन्सी मैसर्स राशि इन्टरप्राइजेज पर 1 लाख का अर्थदण्ड अधिरोपित किये जाने के निर्देशित किया। ग्राम झुण्डपुरा से स्टेडियम तक मार्ग गन्दा पाया गया। रेडिसन होटल सेक्टर-55 के सम्मुख मार्ग में भी गंदगी मिली। यहां बड़ी-बड़ी घास उगी हुई पायी गयी। जिसकी गत दिनों से सफाई नहीं की गयी थी तथा सीएण्डडी वेस्ट पड़ा हुआ पाया गया। जिसको तत्काल सफाई कराने को एसीईओ द्वारा निर्देशित किया गया। जोनल रोड नंबर 6 के निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानों पर कूड़े के ढ़ेर पाये गये, केसी ड्रेन में मिट्टी भरी पायी गयी। जिसको तत्काल साफ कराने को एसीईओ नक निर्देश दिए। इसके अलावा एफएनजी रोड के निरीक्षण के दौरान हिण्डन पुस्ता मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर गंदगी व कूड़े के ढ़ेर पाये गये, जिसको हिण्डन डूब क्षेत्र की आबादी द्वारा डाला जाता है।

उक्त गन्दगी को साफ करने, कूड़ा न डाले जाने को बोर्ड लगाये जाने एवं एनजीओ की टीम के माध्यम से निगरानी करने को उन्होंने निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने शहर में लचर सफाई व्यवस्था रखने पर संबंधित मैकेनिकल स्वीपिंग एजेन्सी मैसर्स चेन्नई एमएसडब्लू पर 5 लाख का अर्थदण्ड अधिरोपित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान जन स्वास्थ्य विभाग से एसपी सिंह, विजय रावल, गौरव बंसल, आरके शर्मा, अशोक वर्मा, अरूण कुमार, उमेश चन्द्र अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आगरा की बबीता चौहान बनी उप्र महिला आयोग की अध्यक्ष

अपर्णा यादव तथा चारू चौधरी को बनाया उपाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की पूर्व विधायक व भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती बिमला बाथम उप्र

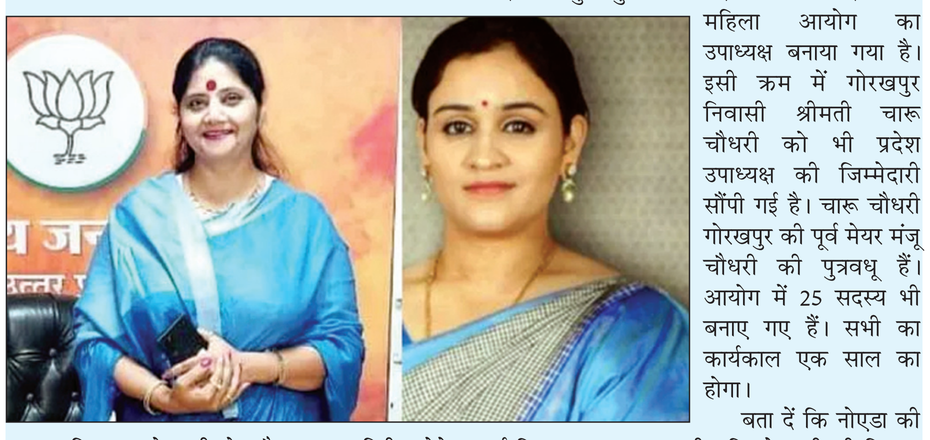

राज्य महिला आयोग की चेयरमैन पद पर रिपीट होने का इंतजार ही करती रह गईं। वहीं इस बीच आगरा के हरी पर्वत निवासी श्रीमती बबीता चौहान को उप्र राज्य महिला आयोग का चेयरमैन (अध्यक्ष) नियुक्त कर दिया गया है। वहीं समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव की लॉटरी खुल गई है।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख सचिव लीना जौहरी द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक लखनऊ की रहने वाली तथा समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधु अपर्णा यादव को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी क्रम में गोरखपुर निवासी श्रीमती चारू चौधरी को भी प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चारू चौधरी गोरखपुर की पूर्व मेयर मंजू चौधरी की पुत्रवधू हैं। आयोग में 25 सदस्य भी बनाए गए हैं। सभी का कार्यकाल एक साल का होगा।

बता दें कि नोएडा की पूर्व विधायक व भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती बिमला बाथम का कार्यकाल करीब दो वर्ष पूर्व ही समाप्त हो गया था, लेकिन बिमला बाथम रिपीट होने का तब से इंतजार कर रही थीं। हाईकमान से उन्हें लगातार आश्वासन मिल रहा था। लेकिन कल शाम को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के चेयरमैन के नाम की घोषणा के बाद बिमला बाथम की प्रतीक्षा को भी विराम लग गया है। इस समूचे प्रकरण में मुलायम सिंह यादव की पुधवधू अपर्णा यादव की मानो लॉटरी ही खुल गई।

रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ओवरलोड वाहनों की चेकिंग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में ओवरलोड माल वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा इन दिनों रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 19 ओवरलोड वाहनों को रोककर उनके चालान काटे गये।

19 ओवरलोड वाहनों का चालान

प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा नोएडा में कालिंदी कुंज जंक्शन, डीएनडी जंक्शन, ईस्टर्न पेरीफेरल जंक्शन, यमुना एक्सप्रेस वे एवं लाल कुआं गाजियाबाद पर ओवरलोड माल वाहनों के विरुद्ध व्यापक और प्रभावी कार्रवाई करने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाए जाने के लिए संभाग गाजियाबाद के प्रवर्तन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। कालिंदी कुंज जंक्शन पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर उदित नारायण व यात्रीकर अधिकारी गाजियाबाद मनोज कुमार, डीएनडी जंक्शन पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतम बुद्ध नगर अभिषेक कनौजिया व यात्रीकर अधिकारी गाजियाबाद राजेश्वर कुशवाहा, ईस्टर्न पेरीफेरल जंक्शन (सिरसा-पलवल) पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर विपिन चौधरी व एआरटीओ (प्रवर्तन) गाजियाबाद मनोज मिश्रा, यमुना एक्सप्रेस-वे (जीरो पॉइंट) पर यात्रीकर अधिकारी गौतमबुद्धनगर के0जी0 संजय, लाल कुआं गाजियाबाद पर एआरटीओ (प्रवर्तन) गाजियाबाद अमित राजन राय व यात्रीकर अधिकारी हापुड़ आशुतोष उपाध्याय ने विभाग के कर्मचारियों के साथ चेकिंग की। चेकिंग के दौरान 19 ओवर लोड वाहनों का चालान कर निरुद्ध किया गया और 8 लाख 60 हजार रूपये जुर्माना वसूला गया। बंद वाहनों में थाना-126 में 3, सेक्टर-62 डी पार्क में 11, थाना नालेज पार्क में 3, एक्स्प्रेस-वे 135 में 2 वाहनों को निरुद्ध किया गया।

व्यापारियों ने प्रदेश महामंत्री का किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की प्रादेशिक मासिक बैठक का आयोजन ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 में किया गया। ग्रेटर नोएडा से अध्यक्ष रवि शर्मा की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी ने नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल को सम्मानित किया।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के पूर्व अध्यक्ष सचिन गोयल को प्रदेश कार्यकारिणी में महामंत्री पद पर मनोनीत किया गया। श्री जैन ने बताया कि गोयल एक बहुत की साफ़ छवि के व्यक्ति हैं। व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाने के लिए सचिन गोयल हमेशा आगे रहते हैं।

प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने बताया कि सचिन गोयल के जन्मोत्सव के अवसर पर इन्हें प्रदेश महामंत्री बनने की शुभकामनाएं दी गई।

नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल ने बताया कि किस प्रकार नोएडा में नोएडा अथॉरिटी द्वारा व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 में पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने के कारण व्यापारियों को बहुत ज़्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल नेटवर्क ग़ायब रहने से व्यापार करना बहुत मुश्किल हो गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में टूटी हुई सड़कें एक्सीडेंट का कारण बन रही है। सभी समस्याओं को सुनने के बाद प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने कहा कि अधिकारियों के पास जाकर इन समस्याओं को दूर करवाया जाएगा। व्यापारियों को हो रही समस्या के लिए एक लिखित ज्ञापन ग्रेटर नोएडा की टीम द्वारा प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को सौंपा गया।

मासिक बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण गर्ग, निखिल अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल, अमित गोयल, प्रदेश सचिव मनीष शर्मा, शिवा चौहान, ग्रेटर नोएडा से अध्यक्ष रवि शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, राजेश शर्मा, आशीष गोयल व ग्रेटर नोएडा की पूरी टीम उपस्थित रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए वाहनों को दिखाई झंडी

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में अपर जिला जज व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए तथा जनसामान्य के मध्य व्यापक स्तर पर प्रचार करने के लिए जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना द्वारा प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जनपद के ग्रामीण तहसील एवं मुख्यालय स्तर पर जन सामान्य के मध्य प्रचार प्रसार के लिए रवाना किया गया है।

प्रचार वाहनों के माध्यम से जनसामान्य के मध्य आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक जन सामान्य की सहभागिता एवं मुकदमों के अधिक से अधिक निस्तारण के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। उक्त प्रचार वाहनों के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा।

इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना के साथ अपर जिला जज व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय एवं अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे तथा एनपीसीएल विभाग की ओर से कपिल शर्मा, विधि परामर्शदाता एनपीसीएल मनोज भाटी, एलएडीसीएस में कार्यरत अधिवक्ता व दैनिक विश्वविद्यालय एवं शारदा विश्वविद्यालय से विधि के छात्र तथा गलगोटिया विश्वविद्यालय की मोबाइल वेन के साथ फैकल्टी एवं छात्र एवं अधिक संख्या मे पीएलवी आदि उपस्थित रहे।

देश के लिए पदक जीतना गर्व की बात : सुहास एलवाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। पेरिस पैराओलंपिक में रजत पदक जीतकर नोएडा के पूर्व जिलाधिकारी आईएएस अधिकारी सुहास एल वाई ने इतिहास रच दिया है। पेरिस पैराओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी उन्होंने बड़ी बात कही है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुहास एल यतिराज ने पेरिस पैराओलंपिक में बैडमिंटन की एसएल-4 प्रतियोगिता में भारत को 13वां मेडल जिताकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। नोएडा के पूर्व डीएम सुहास एल यतिराज इस समय उत्तर प्रदेश सरकार में युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के पद पर हैं। सुहास दुनिया के नंबर-1 पैरा बैडमिंटन के खिलाड़ी के रूप में प्रसिद्ध हैं।

खिलाड़ियों ने किया अच्छा प्रदर्शन

पेरिस पैराओलंपिक- 2024 में रजत पदक जीतने वाले आईएएस अधिकारी सुहास एल यतिराज ने कहा कि टोक्यो पैराओलंपकि के मुकाबले पेरिस पैराओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। आईएएसअधिकारी सुहास एल यतिराज ने कहा कि देश के लिए रजत पदक जीतना गर्व की बात है। मैंने भी अपना प्रदर्शन दोहराया और रजत पदक जीता। हमें इस बार 30 से ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद है।

2007 बैच के आईएएस अधिकारी सुहास एल यतिराज ने कोविड-19 महामारी के दौरान गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी के तौर पर मोर्चा संभाला था। उनके कुशल नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में नोएडा (गौतमबुद्धनगर) में कोविड-19 से बचाव के लिए किए गए प्रयास काफी सफल साबित हुए थे। आईएएस अधिकारी सुहास एल यतिराज गौतमबुद्धनगर के साथ ही प्रयागराज, आजमगढ़, जौनपुर के भी डीएम रह चुके हैं। 2021 के टोक्यो पैराओलंपिक में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था।